यश भारत

नये जमाने के साथ..

● वर्ष- 17 अंक 97- ● जबलपुर ● मंगलवार, 9 मई, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 4 ● विक्रम संवत् 2080 शके 1935

जबलपुर में आज का मौसम

आज सुबह का तापमान

28.8 डिसे

दोपहर 12 बजे तक

36.0 डिसे

आसमान साफ

तेज धूप बढ़ा पारा

देशभर में हनुमान चालीसा का पाठ

बेंगलुरू एजेंसी। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर बैन लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद से भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल विरोध कर रहे हैं। आज कर्नाटक समेत देशभर में हनुमान चालीसा पाठ किया जा रहा है। बेंगलुरू में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शोभा करंदलाजे ने वीर अंजनेय मंदिर में च्जय श्री रामज का नारा लगाया। बेंगलुरू में चुनाव आयोग के अधिकारी बजरंग दल के हनुमान चालीसा पाठ को रुकवाने पहुंचे। अधिकारियों का कहना है कि अभी धारा 144 लागू है। इस पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भड़क गए। उनका कहना था कि रमजान के दौरान तो भीड़ जुटने की ऐसी कोई पाबंदी नहीं थी।

खरगोन में बस 50 फीट ऊंचे पुल से सूखी नदी में गिरी

15 की मौत, 25 घायलों में कई नाजुक, बढ़ सकता है आंकड़ा

■ खरगोन, यशभारत।

मध्य प्रदेश में खरगोन जिले में श्रीखंडी से इंदौर जा रही बस मंगलवार सुबह 8.30 बजे डोंगरगांव के पास बोराड़ नदी के पुल से नीचे जा गिरी। हादसे में मौके पर ही 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चालक, परिचालक और क्लीनर भी शामिल हैं। इसमें 25 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें इलाके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और खरगोन जिला अस्पताल लाया गया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बेहद दुखद घटना है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं।गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी 15 यात्रियों की मौत की पुष्टि की है। 20-25 लोग घायल हैं। घायलों को आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है।जानकारी के मुताबिक एमएसटी हीरामणि ट्रेवल्स की बस एमपी 10 पी 7755 ओवरलोड थी। सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पर एसपी, कलेक्टर और विधायक भी पहुंच गए थे। जो जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार कई घायलों की हालत नाजुक है जिससे मृतक संख्यय बढ़ने का आंदेशा है। बोराड नदी पर पुल बना हुआ है लेकिन बस एकाएक बेकाबू होकर रैलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। बस के गिरते ही वहां अफरातफरी मच गई। कई लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था।

गनीमत है कि सूखी थी नदी

नदी सूखी होने से मौतों की संख्या 15 के आसपास बताई जा रही है। यदि नदी में पानी होता तो मृतकों का आंकड़ा अधिक हो सकता था। इसी तरह का हादसा पिछले साल खलघाट पर हुआ था, जब एक बस नर्मदा नदी पर बने पुल से गिर गई थी और कोई भी नहीं बचा था। सरकार ने बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। आईजी राकेश गुप्ता ने बताया कि खरगोन के बेजापुर से इंदौर की ओर जा रही थी। रफ्तार तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए पुल से नीचे जा गिरी। नदी सूखी होने के कारण अधिकतर यात्रियों को चोट लगी है, लेकिन 15 से अधिक यात्रियों की मौत हो गई। रेस्क्यू जारी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया जा रहा है।

बस में 50-55 लोग सवार थे

डोंगरगांव के रहने वाले राज पाटीदार ने बताया कि मां शारदा ट्रेवल्स की बस में 50 से 55 लोग सवार थे। हादसे के बाद डोंगरगांव और लोनारा गांव के ग्रामीण मौके पर जुटे। बस के कांच फोड़कर घायलों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने बताया कि गांव से पांच मिनट पहले ही बस निकली थी। बस तेज रफ्तार में चल रही थी।

मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका

पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बचाव के लिए ग्रामीण सहित पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच चुके हैं। बचाव दल लगातार लोगों को निकालकर अस्पताल भेज रहा है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

कमलनाथ ने भी जताया दुख

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि खरगोन जिले में एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 15 लोगों की मृत्यु और बहुत से लोगों के घायल होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। राहत और बचाव दल को अपने अभियान में शीघ्र सफलता मिले ऐसी प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने घोषित की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे पर दुख जताते हुए हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता घोषित की है। राज्य सरकार ने खरगोन में हुई बस दुर्घटना में मृतकों के परिवारजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि, गंभीर घायलों को 50 हजार रुपये, कम एवं साधारण घायलों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही दुर्घटना में घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाएगी।

कर्नाटक में 224 सीटों पर मतदान कल

असर डाल सकते बजरंग बली, आरक्षण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे

कर्नाटक में विधानसभा में बहुमत के लिए चाहिए 113

भाजपा, कांग्रेस, जेडीएस के बीच मुख्य मुकाबला

■ बैंगलुरू, एजेंसी।

कर्नाटक में चुनाव प्रचार का शोर थम गया। 10 मई, बुधवार को प्रदेश की सभी 224 सीटों पर मतदान होगा। चुनाव आयोग ने सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। भाजपा, कांग्रेस और

जेडीएस ने धुआंधार प्रचार किया। बजरंग बली, आरक्षण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे हावी रहे। देखना यही है कि इन फायदा किस दल को मिलेगा। नतीजा 13 मई को घोषित होगा।सोमवार को प्रचार अभियान थमने के बाद राजनीतिक दल महीनों तक चले अभियान को अपने-अपने दृष्टिकोण से आंक-परख रहे हैं। इस चुनाव में भाजपा के सामने साढ़े तीन दशकों से चले आ रहे सत्ता परिवर्तन के ट्रेंड को तोड़कर दक्षिण भारत में अपने इकलौते दुर्ग को बचाने की चुनौती है। वहीं कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए प्रयासरत इस बार अपने लिए बेहतर मौका देख रही है। इसी तरह जनता दल एस त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में किंगमेकर बनने के लिए जोर लगा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को जहरीला सांप कहकर सबसे पहले भाजपा को पलटवार का मजबूत मौका दिया।खरगे के बेटे ने भी पीएम को नालायक कह दिया।चुनाव से ठीक पहले लिगायत और वोक्कालिगा के लिए भाजपा सरकार ने चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर दिया था।भाजपा का अपना दांव था और उसकी उम्मीद के मुताबिक कांग्रेस ने चुनावी घोषणा कर दी सत्ता में आने पर मुस्लिम आरक्षण बहाल कर देंगे। बजरंग दल पर प्रतिबंध की घोषणा करके भी कांग्रेस ने ध्रुवीकरण की जमीन खुद तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसका अहसास होने पर दिल्ली में बैठे नेता उस पर यू-टर्न लेने का प्रयास करते रहे, लेकिन तब तक भाजपा उसे अभियान में हवा दे चुकी थी। ऐसा ही ताजा मामला फिल्म केरल स्टोरी का भी आ गया।प्रतिष्ठा से जुड़े इस चुनाव के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी ने आखिरी दौर में जमकर मेहनत की। चुनाव घोषणा के बाद 24 अप्रैल से 7 मई तक उन्होंने तीन रातें कर्नाटक में गुजारीं।

ज्योतिषाचार्य पं. नारायण शंकर नाथूराम व्यास की भविष्यवाणी

कनार्टक में बनेगी कांग्रेस की सरकार येदियुरप्पा के लिये भी समय अच्छा

■ जबलपुर, यशभारत।

बोम्मई की पत्रिका को चन्द्र से देखा जाये तो शनि बारवें भव में है, जो कि शुभ फलकारी नहीं है, वर्तमान में शनि में राहु की अंर्तदशा बहुत परेशानी देने वाली है। शनि में राहु उसमें केतु का प्रत्यंतर मई तक रहेगा। केतु का बारहवां भाव नुकसान का भाव होता है। इसलिये संभव है कि बीजेपी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है, और इसके बाद पार्टी बोम्मई को हटा भी सकती है। कर्नाटक चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री श्री अमितशाह के अथक ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार से भाजपा को निश्चित रूप से लाभ होगा परन्तु कनार्टक के शीर्ष नेताओं के ग्रहों के भाजपा प्रभाव से बहुमत से दूर रह सकती है।

ज्योतिषाचार्य पं. नारायण शंकर नाथूराम व्यास

येदियुरप्पा

12 मई 2023 तक मंगल की महादशा में मंगल की अंर्तदशा रहेगी, जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें चुनाव में अच्छी सफलता मिलने की संभावना नहीं है, परन्तु 12 मई 2023 से 30 मई 2024 तक मंगल में राहु की अंर्तदशा रहेगी जो उन्हें भाजपा में कोई सम्मानजनक बड़ा पद या राज्यसभा में भेजा जा सकता है, क्योंकि लग्न में राहु और नवमांश में भी ग्रह बहुत तागतवर है. यह येदियुरप्पा के प्रभाव तथा राजनैतिक शक्ति में वृद्धि कारक है।

जनता दल

कुमार स्वामी की कुण्डली की सबसे खास बात यह है मंगल और गुरु छठे भाव में साथ में है। छठवां भाव पिता के भाव से नवम भाग्य का भाव होता है, जिससे कुमार स्वामी को पिता के नाम से और आज भी उनके मार्गदर्शन से लाभ हो रहा है। वर्तमान में अगस्त 23 तक केतु की महादशा में गुरु अंर्तदशा रहेगी तथा 14 मई तक सूर्य का प्रत्यंतर उसके बाद में चन्द्रमा का प्रत्यंतर आता है। दशा का स्वामी केतु दसवें घर में है, लेकिन दशमांश में आठवें घर में आता है। जो शुभ नहीं है। सूर्य भी संधि में होने से मददगार नहीं है। अमात्य कारक शुक्र शुभ फलकारी है। विन्शोत्तरी दशा कुमार स्वामी के लिये ज्यादा शुभ फलकारी नहीं है, परन्तु जेमिनी चर दशा शुभ फलकारी होने से कुमार स्वामी का कर्नाटक चुनाव में प्रदर्शन सन्तोष जनक रहेगा और पार्टी पिछले चुनाव की तरह ही प्रदर्शन कर सकेगी।

कांग्रेस

डी. के. शिव कुमार के ग्रहों की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शुक्र अपनी दशांश लग्न का स्वामी है और नवम भाव में प्रबल रूप से स्थित है, जिसके फलस्वरूप मई में चुनाव परिणाम के समय सूर्य का प्रत्यंतर उन्हें नई सरकार में सम्मान जनक मंत्री पद दिला सकता है। जनवरी 25 तक शनि में बुध की अंर्तदशा रहेगी जेमिनी चर दशा 15 मई 23 तक रहेगी। अमत्य कारक बुध की दृष्टि मकर राशि पर है जो दशा से ग्यारहवां है यह बहुत उच्च स्थिति को दर्शाता है। शिव कुमार के नेतृत्व में कांग्रेस को कर्नाटक में सरकार बनाने का मौका मिलेगा। यद्यपि कांग्रेस के नेताओं के वाणी दोष और घोषणा पत्र की खामियों से नुकसान भी होगा। फिर भी कनार्टक चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी और अंततः सरकार बना लेगी।

मुरैना गोलीकांड के आरोपियों का शॉर्ट एनकाउंटर

■ अंबाह, ईएमएस।

मुरैना के लेपा गांव में 6 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले दोनों मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के समय पुलिस को आरोपियों पर गोली चलानी पड़ी, जिसमें आरोपी अजीत के पैर में गोली लगी। आरोपी भूपेंद्र के सिर में मामूली चोट आई है। अजीत सिंह को पुलिस ने इलाज के लिए मुरैना रेफर किया है। मुठभेड़ मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुई। महुआ थाना प्रभारी ऋषिकेश शर्मा के अनुसार, सुबह करीब 4.15 बजे अजीत सिंह तोमर और भूपेंद्र तोमर चंबल नदी के उसैथ घाट पर थे। इस दौरान पुलिस और आरोपियों का आमना-सामना हुआ। दोनों तरफ से फायरिंग हुई। अजीत सिंह से एक 315 बोर की राइफल, 2 खाली और 1 भरा हुआ कारतूस जब्त किया है।

आज नारी सम्मान योजना लॉन्च करेगी कांग्रेस

■ छिंदवाड़ा, यशभारत।

शिवराज सरकार की 1000 रुपए हर महीने देने वाली लाडली बहना योजना के मुकाबले में मंगलवार को कांग्रेस 'नारी सम्मान योजना' लॉन्च करेगी। छिंदवाड़ा के परासिया में मुख्य कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से होगा। कांग्रेस की स्कीम में 1500 रुपए हर महीने देने का वादा है। घरेलू गैस सिलेंडर 500 रुपए में दिया जाएगा। 'नारी सम्मान योजना' के फॉर्म कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता घर-घर जाकर भरवाएंगे। कांग्रेस का कहना है कि मध्यप्रदेश में सरकार बनने के बाद इस योजना का लाभ महिलाओं को मिलने लगेगा। उन्हें न तो कहीं भटकने की जरूरत है, न कतार में लगने की, रजिस्ट्रेशन फॉर्म घर पर ही भरवाकर रसीद दी जाएगी। कांग्रेस का दावा है कि सरकार आने पर कांग्रेस महिलाओं को सालभर के 18 हजार रुपए (1500 म 12) देगी। सिलेंडर पर सालभर में 7200 (600 में 12) सब्सिडि देगी। -देखे पेज पांच भी

11.19 लाख किसानों का दो हजार 123 करोड़ रुपये का ब्याज माफ करेगी शिवराज सरकार

चुनावी वर्ष में शिवराज सरकार का किसान हित में बड़ा कदम, कैबिनेट में होगा अंतिम निर्णय।

■ भोपाल, यशभारत।

चुनावी वर्ष में शिवराज सरकार किसान हित में बड़ा कदम उठाने जा रही है। 11 लाख 19 हजार किसानों को दो हजार 123 करोड़ रुपये की ब्याज माफी दी जाएगी। इसमें वे किसान भी शामिल हैं, जिन्होंने कर्ज माफी के लिए कमल नाथ सरकार में आवेदन किया था, लेकिन लाभ नहीं मिला।ब्याज माफी का लाभ यह होगा कि ये सभी किसान बिना ब्याज के सहकारी समितियों से ऋण प्राप्त करने के पात्र हो जाएंगे। इन्हें खरीफ फसलों के लिए खाद और बीज मिलने लगेगा। ब्याज माफी की इस योजना पर अंतिम निर्णय आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में लिया जाएगा। प्रदेश में खेती की लागत घटाने के लिए सरकार साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को बिना ब्याज का ऋण उपलब्ध कराती है। इसमें नकद राशि और खाद-बीज दिया जाता है। कमल नाथ सरकार ने वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले जय किसान फसल ऋण माफी योजना की घोषणा की थी। सत्ता में आने पर इसे लागू किया पर किसी भी किसान का दो लाख रुपये तक ऋण माफ नहीं किया गया। किसानों ने ऋण माफी की आस में ऋण जमा नहीं किया और वे अपात्र हो गए। इन्हें समितियों से खाद-बीज मिलना बंद हो गया। इससे किसानों को हो रही परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ब्याज माफ करने की घोषणा की थी। इसमें उन 4.40 लाख किसानों को भी शामिल किया गया है, जिनका आवेदन करने के बाद भी ऋण माफ नहीं हुआ था और 31 मार्च 2023 की स्थिति में अपात्र हो गए। इसके अलावा पुराने और नए मिलाकर कुल 11 लाख 19 हजार किसान अपात्र हैं। इन पर तीन हजार 356 करोड़ रुपये मूलधन और दो हजार 123 करोड़ रुपये ब्याज बकाया है। चूंकि, किसान ब्याज की राशि नहीं चुका सकते हैं, इसलिए सरकार ने इसे माफ करने योजना तैयार की है।

'द केरल स्टोरी' के टीम मेंबर को मुंबई में मिली धमकी, 'कहानी दिखाकर अच्छा नहीं किया'

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

धर्मांतरण और युवतियों को जिहाद में धकेलने पर बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी' पर विवाद जारी है। ताजा खबर यह है कि फिल्म से जुड़े एक सदस्य को मुंबई में जान से मारने की धमकी मिली है। मामला पुलिस तक पहुंच गया है।मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, द केरल स्टोरी फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने बताया कि क्रू मेंबर्स में से एक को अनजान नंबर से मैसेज मिला च्घर से अकेले बाहर नहीं निकलना है और उन्होंने कहानी दिखाकर अच्छा काम नहीं किया।ज्पुलिस ने उस सदस्य को सुरक्षा प्रदान की लेकिन अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई क्योंकि उन्हें अभी तक लिखित शिकायत नहीं मिली है। इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में फिल्म द केरल स्टोरी के प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। सभी सिनेमा हाल मालिकों को फिल्म का प्रदर्शन रोकने का आदेश दिया गया है। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए फिल्म पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस फिल्म में दिखाए गए सभी दृश्य राज्य की शांति व्यवस्था के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

नीट एग्जाम के दौरान लड़कियों की ब्रा और पेंटी तक किए गए चेक, खुले में कपड़े बदलने की गई मजबूर

■ मुंबई, एजेंसी।

नीट परीक्षा के दौरान महाराष्ट्र, चंडीगढ़ और पश्चिम बंगाल से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर कुछ छात्राओं को ड्रेस बदलने के लिए कहा गया। इतना ही नहीं कुछ छात्राओं की ब्रा उतरवा दी गई तो किसी को इनरवियर को अंदर की जगह टॉप के ऊपर से पहनने को कहा गया। छात्राओं औरउनके पैरंट्स से इस मामले की शिकायत एनटीए से शिकायत की है। एजेंसी ने रविवार को 2 मिलियन से अधिक उम्मीदवारों के लिए 4,000 से अधिक केंद्रों पर स्नातक राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2023 आयोजित की। परीक्षा से पहले एनटीए ने कहा था कि वह परीक्षा केंद्रों पर कर्मचारियों को महिला उम्मीदवारों की तलाशी में शामिल संवेदनशीलता के प्रति सचेत रहने के लिए व्यापक निर्देश जारी करेगी। उम्मीदवारों ने सोशल मीडिया पर यह भी बताया कि किस तरह से उनके कपड़ों के अंदर हाथ डालकर ब्रा की पट्टियों की

जांच की गई। तलाशी के लिए उन्हें इनरवियर को खोलने के लिए कहा गया।

कुर्ते उताकर उल्टे पहनवाए

एक डॉक्टर दंपति ने कहा कि यह उनके ध्यान में आया कि सांगली (कस्तूरबा वालचंद कॉलेज) के एक केंद्र में छात्राओं को उनके कुर्ते उतारने और उन्हें अंदर बाहर पहनने के लिए कहा गया था। इस बात का हमें तब पता चला जब हमारी बेटी ने बाहर आने के बाद इसकी जानकारी दी। यह बिल्कुल अस्वीकार्य है और इस तरह की महत्वपूर्ण परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के साथ व्यवहार करने का कोई तरीका नहीं है। एचएमसी शिक्षा केंद्र, हिंदमोटर, बंगाल से परीक्षा देने वाले एक उम्मीदवार ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कई उम्मीदवारों को अपनी पैंट बदलने या अपने आंतरिक वस्त्र खोलने के लिए कहा गया।

जींस उतारकर खुले में मां की लेगिंग पहनी

कई छात्राओं ने अपनी जीन्स को अपनी मां की लेगिंग्स के साथ बदला। छात्राओं ने लिखा कि चूंकि केंद्र के आसपास कोई बाड़े या दुकानें नहीं थीं, लड़कियों को लड़कों के साथ एक खुले खेल के मैदान में अपने कपड़े बदलने पड़े। उनके माता-पिता अपने बच्चों को चारों ओर से घेरा और उसके बाद लड़कियों ने कपड़े बदले।

ट्रेनें फुल, यात्री परेशान, स्पेशल भी नहीं आ रहीं काम

वेटिंग इतनी ज्यादा है कि काफी प्रयास के बाद भी लोगों को नहीं मिल रही कंफर्म टिकट

जबलपुर,यशभारत। देश का सबसे बड़ा परिवहन नेटवर्क रेलवे है सैकड़ों ट्रेनों के बावजूद आज भी यात्रियों को सीटें उपलब्ध नहीं हो पा रहीं। विशेष तौर पर ग्रीष्मकालीन अवकाश और शादी विवाह के सीजन में आज भी लोगों को सीट उपलब्ध नहीं हो पा रही है। रेलवे प्रशासन को पता है कि स्कूलों कर छुट्टियों और शादी-विवाह के समय लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में कंफर्म टिकट का मिलना असंभव सा हो जाता है। आज हालत यह है कि मध्य प्रदेश समेत कई अन्य प्रांतों से जबलपुर से जाने व आने वाली सभी ट्रेने फुल चल रही हैं।

ट्रेनों में वेटिंग इतनी ज्यादा है कि लाख प्रयास के बाद भी लोगों को कंफर्म टिकट नहीं प्राप्त हो रहा है। यात्री यहां वहां मारा मारा फिर रहा है। लेकिन रेलवे विभाग का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है।

9 जून तक शुभ मुहूर्त रहेंगे

वैवाहिक सीजन से बढ़ी परेशानी वैवाहिक सीजन शुरू हो चुका है। 30 अप्रैल से शादी विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू हो चुके हैं। पंचांग के अनुसार 29 जून तक शुभ मुहूर्त रहेंगे। ऐसे में शादी विवाह का आयोजन होता है साथ में लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ज्ञात हो कि गर्मी के समय खास तौर पर शादी विवाह उपनयन संस्कार जैसे बड़े आयोजन हुआ करते हैं। वही गर्मी के दिनों में स्कूलो मे अवकाश घोषित हो जाता है। ऐसे में देश परदेश में रहने वाले लोग घर की ओर चल देते हैं। उन्हें भी कंफर्म टिकट की जरूरत

पड़ती है। या यूं कहें कि इस कारण भी भीड़ बढ़ती है। अपनी यात्रा के लिए टिकट लेने पहुंचने वाले यात्रियों जब पता चलता है कि सीट फुल होने से कंफर्म टिकट नहीं प्राप्त होगी वह बहुत निराश होते हैं। कई बार ऐसा होता है कि अचानक से प्रोग्राम बनता है उस समय यात्रा के लिए टिकट की जरूरत होती है। लेकिन कंफर्म टिकट प्राप्त नहीं होता। लोगों का कहना है कि त्यौहार के समय रेलवे स्पेशल ट्रेन चलाती है। लेकिन वैवाहिक सीजन के समय स्पेशल ट्रेन क्यों नहीं चलाई जाती। वहीं लोगों का कहना है कि अगर ट्रेन में एक्स्ट्रा कोच लगाने जैसी व्यवस्था कर दी जाए तो काफी हद तक वेटिंग से राहत मिल सकती है।

क्या है ट्रेनों की स्थिति

उत्तर भारत से आने वाली और मुंबई की ओर जाने वाली हर प्रमुख ट्रेनों में नो रूम अगले दो माह तक बन गया है। मई और जून में छुट्टियां शुरू हो जाती हैं और यही वह समय है जब शादी विवाह के मुहूर्त होते हैं। दूसरे प्रदेशों में कामकाज करने वाले लोग अपने घर वापस आते हैं इन सब कारणों से ट्रेनों में आरक्षण मिलना कठिन हो जाता है।

स्पेशल ट्रेन चलीं मगर यात्रियों को पता नहीं

रेलवे की मानें तो स्पेशल ट्रेन चलाने से काफी हद तक वेटिंग की समस्या खत्म हुई है लेकिन स्पेशल ट्रेन के बारे में लोगों को जानकारी नहीं हो पाती देखा जाता है कि स्पेशल ट्रेनों में सीटें खाली रहती है बावजूद उसी रूट पर रोजाना चलने वाली रेलगाड़ियों में बर्थ नहीं रहतीं। रेलवे ने इसके लिए कोई ऐसी योजना भी नहीं बनाई है जिससे परंपरागत ट्रेनों में सीट नहीं मिलने पर लोगों को स्पेशल ट्रेनों में शिफ्ट किया जा सके।

कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ ने घेरा सहायक अभियंता कार्यालय

अघोषित बिजली कटौती को माढ़ोताल में प्रदर्शन

जबलपुर,यशभारत। कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ ने कल अभियंता कार्यालय का घेराव किया। प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष अनुज श्रीवास्तव, एवं नगर मंत्री रिंकू शर्मा ने बताया कि जबलपुर ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश बंद होने के इतने दिन बाद भी बिजली उपभोक्ता बिजली कटौती से अनावश्यक बिजली कटौती को लेकर ग्रामीण क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ता दुकानदार किसान सभी आए दिन हर वक्त बिजली दफ्तर के चक्कर काटते काटते थक गए लेकिन बिजली कटौती की समस्या का समाधान आज दिनांक तक नहीं हुआ मामले का संज्ञान लेते हुए जबलपुर कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ ने सहायक अभियंता कार्यालय माढ़ोताल का घेराव कर कार्यपालक अभियंता ग्रामीण के नाम का ज्ञापन सौंपा एवं मांग की 2 दिन के भीतर अगर बिजली कटौती पर रोकथाम और उपभोक्ता की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता तो आने वाले दिनों में प्रकोष्ठ उग्र आंदोलन करेगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी है बिजली विभाग की होगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा के सवाल पूछने पर सहायक अभियंता सुरजीत महतो ने बताया कि उनके पास मेंटेनेंस इंजीनियर के पद पर कोई भी अधिकारी उनके कार्य क्षेत्र में कार्यरत नहीं जिस वजह से बिजली उपभोक्ताओं समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा तत्काल श्री शर्मा ने अधीक्षण अभियंता ग्रामीण नीरज कुचिया को फोन कर इस समस्या के समाधान के लिए 2 दिन का समय दिया। बिजली प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा जी, पूर्व विधायक निलेश अवस्थी, नगर अध्यक्ष अनुज श्रीवास्तव, मनोज नामदेव, रिंकू शर्मा (राजीव), प्रभा सिंह, शेख फारुख ,मुन्ना सोनी, सुमित चौहान, संदीप जैन, साहिल उपाध्याय, सौरभ नामदेव, प्रदीप बर्मन, अभी पटेल ,हर्षित पांडे ,आदर्श तिवारी, सौरभ अहिरवार, नीरज जायसवाल ,हर्षद यादव, पवन सोनी, मुकेश पटेल ,राजेश चौबे, शुभम अग्रवाल, रोहित रजक, अंकित, अज्जू राजपूत ,मलखान पटेल ,आदि उपस्थित थे!

एन.पी.ए .सूची से पृथक कर ब्याज का समायोजन करे

केनरा बैंक को उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग ने दिया निर्देश

जबलपुर यशभारत !परिवादी राजेन्द्र गुप्ता ने केनरा बैंक शाखा एम एस ई शाखा सिविल लाइन्स जबलपुर से भवन निर्माण हेतु 19 लाख रुपये का ऋण लिया था जिसका भुगतान नियमित रूप से प्रतिमाह किया जाता रहा है। परन्तु अनावेदक केनरा बैंक शाखा द्वारा परिवादी को ऋण की अदायगी के लिए एस एम एस के माध्यम से परिवादी के मोबाइल पर एन पी ए हो जाने की जानकारी दी जा रही थी तब बैंक ने परिवादी के बचत खाते से 28706/रूपये आहरित कर भवन ऋण खाते में अंतरित कर दिये गये तथा परिवादी पर अतिरिक्त विलंब राशि के रूप मे 29773/रूपये अधिरोपित की गई जिसका परिवाद जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमाक 2 जबलपुर मे प्रस्तुत किया जिसमे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमाक 2 जबलपुर के अध्यक्ष पंकज यादव एव सदस्य मनोज कुमार मिश्रा ने परिवादी का परिवाद स्वीकार करते हुए अनावेदक केनरा बैंक शाखा जबलपुर को आदेशित किया कि परिवादी के एन पी ए किए जाने की दिनांक से अधिरोपित ब्याज समाप्त किया तथा परिवादी के बचत खाते से आहरित की गई राशि को मूलधन मे समायोजित करे एवं मानसिक व शारीरिक पीडा के रूप मे 10,000/रूपये एवं वाद व्यय के रूप मे 5,000/रूपये परिवादीछ को दो माह में भुगतान अदा करने का आदेश पारित किया है (उक्त अवधि पश्चात् 9न्नब्याज के साथ देय होगा परिवादी की ओर से शफीक जौहर एडवोकेट ने पैरवी की।

ओएफके में कैमरा और एडवांस फीचर के मोबाइल पर रोक

कहा अति संवेदनशील विस्फोटक सामग्री से हो सकती हैं दुर्घटनाएं

जबलपुर यशभारत ।आयुध निर्माणी खमरिया में नये महाप्रबंधक ने आते ही अधिकारियों कर्मचारियों को कैमरा और एडवांस फीचर वाले मोबाइलों को निर्माणी के अंदर लाने के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। 6मई को महाप्रबंधक द्वारा हस्ताक्षरित आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया गया ।जारी आदेश में कहा गया है कि निर्माणी में चूंकि अत्यंत संवेदनशील विस्फोटकों का इस्तेमाल किया जाता है लिहाजा ऐसे में मोबाइल से निकलने वाली तरंगें दुर्घटना का कारण बन सकती हैं ।निर्देश दिया गया है कि अधिकारी कर्मचारी बिना कैमरा वाले मोबाइल ही ला सकते हैं ।जारी आदेश में कहा गया कि यह देखने में आया है कि, कई कर्मचारी और अधिकारी फैक्ट्री में मोबाइल फोन लेकर आ रहे हैं। फैक्ट्री के अंदर मोबाइल फोन लाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाती है यदि कोई कर्मचारी - अधिकारी फैक्ट्री के अंदर मोबाइल फोन के साथ पाया जाता है, तो उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यदि मोबाइल फोन को प्रशासनिक भवन में संचालित करने की आवश्यकता है, तो महाप्रबंधक से उचित अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, केवल बेसिक फीचर फोन बिना कैमरा और अतिरिक्त मैमोरी भंडारण वाले मोबाइल की अनुमति दी जाएगी।

अज्ञात युवक ने स्टेशन में तोड़ा दम जीआरपी पड़ताल में जुटी

जबलपुर यशभारत। मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के बाहर एक अज्ञात युवक मृत हालत में मिलने से स्टेशन परिसर में सनसनी का माहौल निर्मित हो गया इस घटना की सूचना किसी ने जीआरपी को दी सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने प्रारंभिक कार्यवाही के उपरांत शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए घटना की पड़ताल शुरू कर दी है। इस संबंध में जीआरपी ने बताया कि मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के बाहर एक अज्ञात 35 वर्षीय युवक मृत हालत में पाया गया मृतक कहां का रहने वाला है और यह घटना किस कारण से घटित हुई उसकी पड़ताल करते हुए वारसानो की पतासाजी करने में लगी हुई है मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

निकायों की रैंकिंग :जबलपुर नगर निगम को मिला प्रथम एवं द्वितीय स्थान*

जबलपुर,यशभारत। नगरीय निकायों की त्रैमासिक रैंकिंग में इसबार फिर जबलपुर नगर निगम का बोलवाला कायम है। नई आई हुई रैंकिंग में नगर निगम जबलपुर को प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। और यह सब संभव हो पाया है नगर निगम आयुक्त स्वप्निल वानखड़े के द्वारा स्वस्थ स्पर्धात्मक वातावरण निर्माण करने से। निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने बताया कि राज्य के समस्त नगरीय निकायों में त्रैमासिक रैंकिंग मई से जुलाई 2022 एवं अक्टूबर से दिसम्बर 2022 तक आयोजित की गई थी, जिसमें कुल चार घटकों में कुल 1000 अंक प्रावधानित किए गए।

थैलेसीमिया की गंभीर बीमारी, छीन रही हैं पीड़ित व परिजनों की खुशियां सारी

विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर हुए विविध आयोजन

जबलपुर,यशभारत। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर वन्दे मातरम चौक सिविक सेन्टर में थैलेसीमिया जन जागरण समिति, इंडियन रेडक्रास सोसायटी व नगर निगम जबलपुर आदि के संयुक्त तत्वावधान में थैलेसीमिया व रक्तदान के विषय पर पेटिंग, श्लोगन, कविता व नाटक करने वाले तमाम प्रतिभागियों को एक भव्य कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार वितरित किया गया। इस दौरान देश भक्ति गीतों की भी मनमोहक प्रस्तुतियां हुई। इसके लिए कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें दर्जनों रक्तदाताओं ने आगे आकर थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए रक्तदान किया। इस दौरान दिशा वेलफेयर सोसायटी द्वारा तैयार किए गए थैलेसीमिया के रैप गीत का वीडियो भी यूट्यूब में लांच में किया गया। इस दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वन्देमातरम चौक पर थैलेसीमिया क्या बीमारी है, यह किस वजह से होती है, इस बीमारी से कैसे बचा जाए, इसके लिए स्वच्छता अभियान की ब्राण्ड एम्बेसडर श्रेया खण्डेलवाल और

रक्तदान और थैलेसीमिया की थीम पर पेटिंग, श्लोगन, कविता व नाटक तैयार करने वाले प्रतिभागी भी हुए सम्मानित

उनके पिता विकास खण्डेलवाल के द्वारा जन जागरूकता पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी गई, जिसको देखकर सभी की आंखें नम् हो गई। इसी प्रकार विभिन्न प्रतिभागियों के द्वारा रक्तदान और थैलेसीमिया के विषय पर कविता व श्लोगन को पढ़कर सुनाया गया और अन्य प्रतिभागियों ने नाटक की प्रस्तुति दी। इस दौरान उक्त विभिन्न प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, मोमेन्टों व गिफ्ट देकर पुरूस्कृत किया गया। इसके अलावा चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरूस्कार, मोमेन्टों व प्रमाण पत्र दिया गया, तो वहीं कक्षा 6वीं में अध्ययन करने वाली न्यू राम नगर अधारताल निवासी शाम्भवी गुप्ता के द्वारा आंखों में पट्टी बांधकर बिना देखे रक्तदान की थीम पर पेटिंग तैयार किए जाने पर विशेष पुरूस्कार से नवाजा गया।

इन सामाजिक संस्थाओं का रहा महत्वपूर्ण योगदान

दो दिवसीय थैलेसीमिया व रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम में दिशा वेलफेयर सोसायटी, मां रेवा रक्तदान मानव सेवा, हम हैं न फाउण्डेशन, अनुश्री वेलफेयर सोसायटी, जैन ब्लड ग्रुप, मां नर्मदा रक्तदान ग्रुप जबलपुर, ज्वांइट ग्रुप ऑफ जबलपुर, ज्ञानोदय चिल्ड्रन एकेडमी, ज्ञान गंगा इंस्टीट्यूट, ब्रिटिश इंग्लिश स्कूल, बालिया कोचिंग, ओशियन ब्लू, महाकोल फैमली, युवा सेवा फाउण्डेशन, रक्तदान महादान कर्तव्य संस्था, पदमा फाउण्डेशन, महादेव रक्तदान सेवा, आश्वनी हेल्थ केयर संस्था आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

किसी ने बनाया टैगोर किसी ने सुभाष बाबू

चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर, यशभारत। रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन सिटी बंगाली क्लब में हुआ। इस प्रतियोगिता में छटवी से आठवीं और नवमी से बारहवीं के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। श्रीमती शालिनी मदान, अमेन्द्र ओझा, अक्षय पिल्ले, ने निर्णायकों की भूमिका निभाई । आयोजक दीपांकर बैनर्जी ने बताया आज 9 मई को शाम 7.30 बजे से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन डी. बी. क्लब सतपुड़ा में होगा ।एवं उसी दिन पुरस्कार वितरण होगा। इस अवसर पर रूपा बैनर्जी, कार्तिक बैनर्जी, किरण मुखर्जी, प्रसन्नजीत चटर्जी, अपर्णा पटेल, विशाल दत्त, डॉ. अनिरूद्ध मजूदार, टोपी ज्योति सेन गुप्ता, देवेन्द्र चटर्जी उपस्थित रहे।

एनोस विक्टर बने जिला सचिव

जबलपुर , यशभारत। जागरूक क्रिश्चियन मंच के संभागीय अध्यक्ष क्रिस्टोफर नरोना की अनुशंसा पर एनोस विक्टर को जागरूक क्रिस्चियन मंच का जिला सचिव बनाया गया है । जिला सचिव बनने पर क्रिश्चियन मंच के सभी पदाधिकारियों, संगठन के सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मंच के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन , जेम्स एंथोनी, फ्रांसिस एंथोनी, क्रिस्टोफर नरोना, गुडविन चार्ल्स, क्लेमेंट पायस, फिलिप अंथोनी, लॉरेंस मार्टिन , अल्बर्ट अंथोनी, सुधीर पावेल, रॉबर्ट फ्रांसिस, जॉन बॉस्को, सुनील रिचर्ड्सन आदि ने बधाई दी है

फातिमा माता मरियम की वार्षिक भक्ति ....नवीना का पांचवां दिन

माता मरियम दुखों में भी दृढ़ बनी रहीं फादर बेंजामिन

जबलपुर, यशभारत। संस्कारधानी जबलपुर में सेंट थॉमस स्कूल परिसर स्थित फातिमा की माता मरियम के तीर्थस्थल में वार्षिक भक्ति के अंतर्गत आज नौदिवसीय प्रार्थना का पांचवां दिन था ।आज के पावन ख्रीस्तयाग के मुख्य याजक फादर बेंजामिन ने भक्तजनों की उपस्थिति में पावन ख्रीस्त्याग अर्पित करते हुए कहा...माता मरियम प्रभु येसु के संकट , दुख के समय तथा क्रूस की दर्दनाक मृत्यु के समय भी विचलित नहीं हुईं। माता मरियम जानती थी कि ईश्वर उनको कभी भी नहीं छोड़ेंगे। माता मरियम ने अपने जीवनकाल में अनेक दुखों को सहा, विशेषकर प्रभु येसु को जब क्रूस की सजा दी जाती है, तब माता मरियम ने बड़े ही दृढ़ता के साथ उस पल को , उस क्षण को सहा। हमे भी अपने जीवन में आने वाले दुखों के समय घबराना नहीं है, वरन माता मरियम की मध्यस्थता से दृढ़ता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करना। प्रभु का वचन कहता जो मुझे प्यार नहीं करता वो मेरी शिक्षा पर नहीं चलता। हमे माता मरियम ईश्वर को प्यार करना सिखाती हैं। माता मरियम के तीर्थस्थल की बेहद ही आकर्षक साज सजावट की गई है। माता मरियम के भक्त पवित्र तीर्थस्थल में विशाल संख्या में उपस्थित हो रहे हैं तथा मोमबत्ती जलाकर एवं पुष्पों को अर्पित कर के अपनी मन्नतें मांगते हुए प्रार्थना में लीन थे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 मई को

जबलपुर,यशभारत। शासन के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन नगर निगम द्वारा दिनांक 13 मई 2023 दिन शनिवार को मुख्यालय सहित सभी 16 संभागीय कार्यालयों में आयोजित की जायेगी। इस संबंध में राजस्व विभाग के उपायुक्त पी.एन. सनखेरे ने बताया कि लोक अदालत में 25 से 100 प्रतिशत तक अधिभार में करदाताओं को छूट मिलेगी। वहीं करदाताओं को दो किश्तों में राशि जमा करने की सुविधा भी इस लोक अदालत में मिलेगी। आयोजित नेशनल लोक अदालत में शहर के सम्माननीय करदाताओं को अधिक से अधिक छूट का लाभ मिले इसके लिए निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े ने संबंधित अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर निर्देश दिये हैं। उपायुक्त राजस्व पी.एन. सनखेरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत सुबह 10 बजे से शाम 5 तक रहेगी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा सम्पत्तिकर एवं जल उपभोक्ता प्रभार में सरचार्ज में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए छूट दी जा रही है। नेशनल लोक अदालत में सम्पत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रूपये तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट, 50 हजार रूपये से अधिक तथा 1 लाख रूपये तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट, 1 लाख रूपये से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी।

म.प्र. उच्च न्यायालय कर्मचारी संघ के निर्वाचन सम्पन्न

अमित जैन अध्यक्ष ,आशय दास सचिव चुने गए

जबलपुर यशभारत। म.प्र. उच्च न्यायालय कर्मचारी संघ, जबलपुर के निर्वाचन हाल ही में किया गया। 03 दिवस तक चली मतगणना के पश्चात् अध्यक्ष पद पर अमित जैन, उपाध्यक्ष (पु.) पद पर संदीप सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष श्रीमती जूली सिंह, सचिव आशय दास, सहसचिव संजय सोनी, कोषाध्यक्ष प्रदीप प्रजापति, सह-कोषाध्यक्ष अरविंद कोरी, संगठन मंत्री विक्रांत कुमार गोहल एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में धीरज प्रताप सिंह, प्रदीप जैन, श्रीकमलेश कुमार बढ़ई, प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं अनिल बर्मन निर्वाचित घोषित किये गये। विदित हो कि शिरीष शर्मा, प्रचार मंत्री एवं श्रीमती मनीषा प्रसन्न कुंटे, कार्यकारिणी सदस्य (म.) के पद पर पूर्व में ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके है। संघ की नवीन कार्यकारिणी ने समस्त मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया एवं अपेक्षा व्यक्त की है कि कर्मचारी हितों की रक्षा हेतु कार्यकारिणी को समस्त कर्मचारियों का इसी तरह सहयोग प्राप्त होगा।

रोजगार के भी खुले मार्ग

सौर ऊर्जा से कम हो हो रहा बिजली बिल का भार

सरकारी भवनों में लगे सोलर पैनल, होने लगी बचत

जबलपुर, यशभारत। बढ़ते बिजली के खर्च को कम करने के लिए न सिर्फ आम उपभोक्ता बल्कि सरकारी, निजी संस्थान यहां तक कि अब व्यापारी, उद्यमी भी सोलर एनर्जी को अपना कर बिजली का भार कम रहे हैं। जिला पंचायत, कलेक्ट्रेट ,नगर निगम सहित अन्य सरकारी भवनों में बिजली बिल कम करने जहां सोलर प्लांट लगवा कर सोलर बिजली का उपयोग किया जा रहा है वहीं शहर के कुछ बड़े व्यापारी भी औद्योगिक क्षेत्र रिझाई, अधारताल, मनेरी स्थित अपनी फर्म में सोलर प्लांट लगवा कर बिजली का खर्च आधा कर रहे हैं। इतना ही नहीं जानकारों की माने तो सोलर एनर्जी से रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। रूफटाप सोलर एवं मिनी माइक्रो ग्रिड सिस्टम जैसे छोटे रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स युवाओं को रोजगार से भी जोड़ रहे है। भविष्य में सोलर एनर्जी में रोजगार की क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकती है। सौर ऊर्जा यानी सोलर एनर्जी वक्त

की जरूरत बन गई है। जिस तरह बिजली महंगी हो रही है बिजली के वैकल्पिक स्रोत सोलर एनर्जी के प्रति लोगों का रुझान भी तेजी से बढ़ रहा है। शहर में भी सोलर एनर्जी को विकल्प के रूप में देखा और अपनाया जा रहा हैसोलर एनर्जी को शासन बढ़ावा दे रहा है। यहीं कारण है कि सरकारी भवनों भी सोलर एनर्जी से रोशन हो रहे हैं। कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत, नगर निगम जैसी सरकारी इमारतों में सोलर पैनल लगे हैं। इसके माध्यम से बिजली पैदा कर विभाग बिजली बिल कम कर बचत भी कर रहे हैं। जिला पंचायत में 10 से 15 हजार तो नगर निगम में भी एक से दो करोड़ रुपये की बचत होने लगी है। नगर निगम अभी बिजली बिल पर ही तकरीबन 50 करोड़ रुपये सालाना खर्च कर रहा है। शहर व आस-पास के क्षेत्र में औद्योगिक ईकाईयां स्थापित करने वाले उद्यमियों व व्यापारियों के लिए भी सोलर एनर्जी वरदान साबित हो रही है। जबलपुर चैंबर आफ कामर्स इंडस्ट्री के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम दुबे बताते हैं कि महंगी बिजली को देखते हुए सोलर एनर्जी की तरफ उद्यमियों का रुझान तेजी से बढ़ा है। औद्यागिक क्षेत्रों उद्यमी सोलर पैनल स्थापित किया है। इससे उनका बिजली बिल भी काफी हो गया है।

जबलपुर मंडल के लिधोरा खुर्द स्टेशन पर गुड्स शेड का शुभारंभ

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रेल मंडल के सागर स्टेशन के नजदीक लिधोरा खुर्द स्टेशन में रेलवे द्वारा बनाए गए नवनिर्मित माल गोदाम (गुड्स शेड) का शुभारंभ सोमवार को स्थानीय सांसद राज बहादुर सिंह द्वारा किया गया। समारोह में स्थानीय विधायक प्रदीप लारिया के साथ ही जबलपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्वरंजन तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह भी उपस्थित थे ।अपने संबोधन में सांसद श्री सिंह ने कहा कि जबलपुर रेल मंडल द्वारा सागर स्टेशन तथा उसके नजदीक के स्टेशनों के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं जिससे यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ ही अब माल ढुलाई में वृद्धि के लिए भी बहुत बड़ी सौगात सागर के व्यापारियों को इस गुड्स शेड से प्राप्त हुआ है। समारोह के प्रारंभ में सांसद श्री सिंह तथा विधायक श्री लारिया का स्वागत सीनियर डीसीएम श्री विश्वरंजन द्वारा किया गया। इस मौके पर समारोह मे स्वागत उद्बोधन में श्री रंजन ने जबलपुर मंडल द्वारा सागर तथा उसके आसपास के स्टेशनों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

जितनी चलेगी गाड़ी, उतना पैसा सीधे कट जाएगा

रिंग रोड पर नहीं होंगे टोल नाके

जबलपुर यशभारत। जिले में बन रही रिंग रोड कई मामले में मध्य प्रदेश की सबसे पहली होगी। जहां लम्बाई के मामले में यह प्रदेश की सबसे लम्बी रिंग रोड है, तो वहीं तकनीकी मामलों में भी यह देश की चुनिंदा सड़कों पर गिनी जाएगी। यह मध्य प्रदेश की पहली ऐसी सड़क होगी जहां टोल तो लगेगा लेकिन टोल नाका नहीं होगा। रिंग रोड में चौपहिया वाहन जितने किलोमीटर चलेगा सिर्फ उतना टोल लगेगा। यह नई व्यवस्था टोल नाके की बजाए सीधे ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) के माध्यम से बनाई जाएगी। इसमें वाहन मालिक के नाम पर आबंटित फास्टैग के माध्यम से उसके बैंक खाते से राशि स्वत- कट जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की यह आधुनिक व्यवस्था बनने के बाद वाहन चालकों को सिर्फ निर्धारित दूरी तय करने का ही पैसा देना होगा। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विगत माह टोल नाकों को बंद करने की योजना का ऐलान किया था। बताया जा रहा है कि सभी सड़कों पर यह प्रक्रिया लागू होने में अभी लम्बा समय लगेगा। लेकिन रिंग रोड के लिए यह व्यवस्था 2025 में रोड बनने के साथ ही लागू होगी। गौरतलब है कि जिले में प्रदेश की सबसे लम्बी रिंग रोड बनाई जा रही है, जिसकी लम्बाई करीब 118 किलोमीटर होगी। सड़क का निर्माण कार्य जारी है। जिसके 2025 तक पूरा होने की संभावना जताई जा रही है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर सोमेश बांझल ने कहा कि रिंग रोड में 20-21 पाइंट होंगे। यहां से राजमार्ग और शहर के अंदर से प्रवेश होगा। करीब 2.80 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से शुल्क तय होगा। निर्माण लागत के हिसाब से इसमें बदलाव संभव होगा। बता दें कि करीब 3500 करोड़ रुपये की लागत से रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है।

कैसे कटेगा टोल

अभी राष्ट्रीय राजमार्ग के 60 से 80 किलोमीटर के बीच एक टोल नाका बनाया गया है, जिसमें वाहन चालक को शुल्क देना पड़ता है। इस व्यवस्था में वाहन चालक को 10 या 20 किलोमीटर चलने के लिए भी पूरा टोल देना होता है। जबकि जीपीएस सिस्टम लागू होने पर वाहन जैसे ही टोल रोड पर आएगा जीपीएस वाहन की लोकेशन ट्रैक कर लेगा। गाड़ी में फास्टैग लगा होगा। आने वाले समय में वाहनों में बैंक खाते की तरह न्यूनतम बैलेंस रखना अनिवार्य हो जाएगा। नई व्यवस्था बनने के बाद सड़क पर वाहन दौड़ते ही फास्टैग के जरिए निर्धारित शुल्क स्वत- ही कट जाएगा। इस संबंध में एनएचएआइ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सोमेश बांझल ने कहा कि रिंग रोड पर जीपीएस के जरिए ही टोल काटने की योजना पर अमल किया जा रहा है। इस योजना में प्रति किलोमीटर के लिए एक राशि तय होगी। रिंग रोड में जगह-जगह प्रवेश और निर्गम सड़क होगी, जिनसे वाहन सड़क पर प्रवेश करेंगे। इसके बाद जितने किलोमीटर वाहन सड़क पर चलेगा उस वाहन के फास्टैग से उतनी राशि ही कटेगी। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था वाहन चालकों के लिए बेहद फायदेमंद होगी, क्योंकि उन्हें अभी सड़क पर कितना भी चलते हैं लेकिन नाके पर टोल पूरा भुगतान करना होता है। यहां ऐसा नहीं होगा।

जबलपुर में मातम में बदली खुशियां

शादी में जा रही वृद्धा को लोडिड वाहन ने मारी टक्कर, मौत

परिजनों का रो रोकर बुरा हाल, क्षेत्र में हड़कंप

जबलपुर, यशभारत। अधारताल थाना अंतर्गत धनी की कुटिया के पास से एक वृद्ध शादी में जाने के लिए निकली ही थी, कि तभी एक लोडिड वाहन ने सीधी टक्कर मार दी। हादसे के दौरान वृद्ध सिर के बल रोड से दस फिट दूर जा गिरी और बुरी तरह लहूलुहान हो गयी। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक, वाहन समेत फरार हो गया। यह घटना क्षेत्र में आग की तरह फैली और देखते ही देखते रोड के दोनों ओर जाम लग गया। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात नियंत्रित कर लोगों को घटनास्थल से हटाया और वृद्धा को आनन फानन में अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चले इलाज के दौरान वृद्धा ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि धनी की कटिया के पास विमला कोष्ठा 68 साल को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें राहगीरों और परिजनों की मदद से एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां इलाज के दौरान वृद्धा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि वृद्ध अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने जा रही थीं। फिलहाल जाचं के दौरान पुलिस रोड के आसपास लगे सीसीटीव्ही फुटेज खंगाल रही है।

पटैल ढाबे में खाना के साथ बिक रहा था डीजल

पनागर पुलिस ने दबिश देकर किया जप्त

जबलपुर। पनागर पुलिस ने सोमवार सुबह करीब 8 बजे गांधीग्राम मोड़ के पास स्थित पटैल ढाबे में दबिश देकर प्लास्टिक की 2 केन में भरा 10 लीटर डीजल जप्त किया है। पुलिस ने मौके पर मौजूद छोटेलाल पटैल 57 वर्ष निवासी नई बस्ती कुशनेर को के खिलाफ धारा 285 के तहत अपराध दर्ज करते हुए कार्यवाही की है। पनागर टीआर्द रीतेश पांडे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि गांधीग्राम मोड़ के पास छोटेलाल अपने पटैल ढाबे में डीजल बेचने के लिए रखा है जिसके बाद उक्त कार्यवाही की गई है। कार्यवाही में पनागर पुलिस थाना के सहायक उपनिरीक्षक स्वदेश गुप्ता, प्रधान आरक्षक रामाशीष यादव की अहम भूमिका रही।

विद्युत वितरण में अंधेरगर्दी : ईंधन एवं पॉवर परचेस समायोजन सरचार्ज में पारदर्शिता का अभाव

जबलपुर, यशभारत। महंगाई की मार के बीच विद्युत वितरण कंपनियां दिनोंदिन अपने रेड बढ़ा रहा है। जिसकी कोई भी गणना नहीं है और पारदर्शिता का अभाव है। जिसको लेकर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सेवानिवृत्त ने पत्र लिखकर विभाग को चेताया है। जानकारी अनुसार अतिरिक्त मुख्य अभियंता सेवानिवृत्त राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने विद्युत नियामन आयोग के संबंध में पत्र लिखा गया है। प्रदेश की वितरण कंपनियों द्वारा प्रथम बार फ्यूल डेमेज एवं पावर परचेसमेंट सरजार्च 6.41 प्रतिशत बताया है। उसकी कोई भी गणना नहीं दी है। यह आगे भी रेड बढ़ा सकते है। म.प्र. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा पहली बार जारी सरचार्ज वृद्धि के आदेश 19 अप्रैल 2023 में 5 प्रतिशत सरचार्ज वृद्धि के अलावा बिजली खरीदी लागत / अंतर का कोई भी विवरण वेबसाईट में प्रकाशित नहीं किया गया है, न ही सार्वजनिक किया गया है। पत्र में लेख है कि प्रदेश के उपभोक्ताओं व उद्योगों के हित में भविष्य में विद्युत कंपनियों की मनमानी को रोकने हेतु आयोग द्वारा स्वतः प्रावधानित किये गये धारा 9.12 का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश म.प्र. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी को देंगे, जो कि वैधानिक व पारदर्शिता के सिद्धांत हेतु भी आवश्यक है।

रिटायर्ड एएसआई ने पुलिस लाइन के क्वार्टर पर किया कब्जा, क्षेत्रीय दुकानदारों और मोक्ष संस्था ने लगाए आरोप

अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए पीड़ितों ने किया प्रदर्शन

जबलपुर,यशभारत। गढ़ा पुलिस थाना के रिटायर्ड पुलिस कर्मी कृष्ण कुमार तिवारी पर क्षेत्रीय ठेला लगाने वालों ने आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन और एसपी तुषारकांत विद्यार्थी से कार्यवाही की मांग की है। दुकानदारों और मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर का कहना है कि गढ़ा थाना से रिटायर्ड एएसआई केके तिवारी ने पिसनहारी मढ़िया के पास स्थित पुलिस कॉलोनी के एक मकान में बालाजी का मंदिर बनाकर पहले कब्जा किया और फिर उस मकान को रहने लायक बनवाकर अवैध कब्जा कर लिया। जबकि कई पुलिस कर्मियों को रहने के लिए क्वार्टर तक नसीब नहीं हो रहे हैं। दुकानदारों की माने तो शासकीय जमीन पर बने आवास में रिटायरमेंट के बाद भी एएसआई द्वारा कब्जा करके रखा गया है। पुलिस क्वार्टर स्थित घर के सामने चाट-फुल्की का ठेला लगाने वाले और कुछ अन्य दुकानदारों ने एएसआई पर अवैध वसूली का भी आरोप लगाया है। लोगों को कहना है कि उनके घर के सामने ठेला खड़ा करने पर प्रति दुकानदार से 100 से 150 रुपए एएसआई केके तिवारी के द्वारा मांगे जाते हैं और न देने पर ठेले में तोड़फोड़ कर आग लगाने की धमकी दी जाती है। बीती रात क्षेत्र के दुकदानदानों ने मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर के साथ मिलकर एएसआई केके तिवारी के खिलाफ उनके आवास के सामने जमकर नारेबाजी करत हुए उग्र प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन से कार्यवाही की मांग की।

छोटे भाईयों ने मिलकर बड़े भाई से की मारपीट

जबलपुर यशभारत। पनागर थाना अतंर्गत ग्राम उमरिया चौबे में तीन छोटे भाईयों ने मिलकर एक बड़े भाई के साथ मारपीट कर डंडे से हमला कर घायल कर दिया। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उमरिया चौबे निवासी 36 वर्षीय किसान कमलेश गोंड गत रात लगभग 9 बजे घर के सामने आंगन में बैठकर अपने तीन छोटे भाई मंजा ठाकुर, मन्नू ठाकुर, बंदी ठाकुर तथा मां के साथ भाई मंजा ठाकुर की शादी के संबंध में पैसों की व्यवस्था को लेकर बातचीत कर रहा था। कमलेश के कहने पर कि वह बड़ा है इसलिए क्या करना वह बतायेगा, इसी बात पर उसका छोटा भाई मंजा ने उसकी कॉलर पकड़ ली तथा भाई बंदी ठाकुर ने डंडे से हमलाकर उसके सिर में चोट पहुँचा दी जिससे वह जमीन पर गिर गया और तीनों भाई मंजा, मन्नू एंव बदीं ने मारपीट कर अपने बड़े भाई को चोटें पहुंचा दी। पुलिस ने तीनों भाईयों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 324, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

हर साल बढ़ रहे थैलेसीमिया के मरीज

मरीजों की संख्या में 3 से 5 फीसदी तक इजाफा

जबलपुर, यशभारत। अनुवांशिक बीमारी थैलेसीमिया के मरीजों में हर साल इजाफा हो रहा है। यह दर करीब 3 से 5 फीसदी तक है। सामने आने वाले नए मरीजों में वे पीड़ित शामिल है जो कि आदिवासी बाहुल्य जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। जबलपुर संभाग के जिला अस्पताल में 149 ऐसे मरीज रजिस्टर्ड हैं जो कि थैलेसीमिया की बीमारी से लड़ रहे हैं। इन मरीजों में सबसे ज्यादा 5 से 10 वर्ष की उम्र के बच्चे हैं जबकि 10 वर्ष की उम्र से अधिक की संख्या कम है।

क्या कहते हैं नोडल अधिकारी

डे-केयर सेंटर के प्रभारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार वर्मा ने बताया हर माह एक से दो मरीज थैलेसीमिया के सामने आ रहे हैं। मरीज बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। शहर की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी सिकल सेल एनीमिया व थैलेसीमिया जैसे रोगों के प्रति लोगों में जागरुकता नहीं होना है।

माता-पिता के जरिए बच्चे होते हैं संक्रमित

विशेषज्ञों के मुताबिक यह एक अनुवांशिक बीमारी है इस बीमारी के कारण जो जींस रेड ब्लड सेल्स बनाती है, वह बीमारी में विकृत हो जाती है। यदि यह जीन माता या पिता में विकृत है तो उनके बच्चे को सीवियर थैलेसीमिया हो जाता 7 है। इस बीमारी से ग्रस्त बच्चे के शरीर में जो खून बनता है वह बोनमेरो में या तिल्ली में नष्ट हो जाता है। इस बीमारी से पीड़ित मरीज को महीने में एक या दो बार ब्लड चढ़ाना पड़ता है। बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में भी इस बीमारी के मरीज मिलते हैं। इसका कोई इलाज नहीं है लेकिन हमारे यहां स्वैच्छिक रक्तदान कम होने के कारण इन बच्चों को ब्लड के लिए परेशान होना पड़ता है। लोगों को नियमित रूप से वॉलेंट्री ब्लड डोनेट करना चाहिए।

इस बीमारी के मरीजों की उम्र कम

ये रोग एक रक्त विकार है । इसमें बच्चे के शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन सही तरीके से नहीं हो पाता है। इन कोशिकाओं की आयु भी कम हो जाती है। इन बच्चों को हर 21 दिन बाद कम से कम एक यूनिट ब्लड की जरूरत होती है जो इन्हें चढ़ाया जाता है। फिर भी ये बच्चे लंबी आयु नहीं जी पाते है अगर कुछ लोग 7 सर्वाइव कर भी जाते हैं तो अक्सर किसी न किसी बीमारी से पीड़ित रहते हैं।

प्रदेश के इन जिलों में चल रहा डे-केयर सेंटर

जानकारी के मुताबिक सरकार ने हिमोग्लोबिनोपैथी (सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया एवं हिमोफीलिया) पीड़ितों के उपचार के लिए 22 आदिवासी बाहुल्य जिलों में डे-केयर सेंटर एवं 8 हब सेंटरों में हिमोफीलिया के मरीजों को रक्त चढ़ाने के लिए जिला अस्पतालों में डे-केयर सेंटर शुरू किया। इन जिलों अलीराजपुर, अनूपपुर, बालाघाट, बड़वानी बैतूल, भोपाल, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, धार, डिडौरी, होशंगाबाद, इंदौर, जबलपुर झाबुआ, खंडवा, खरगोन, मंडला, रीवा, रतलाम, सिवनी, सतना, सागर, शहडोल, श्योपुर, सीधी, सिंगरौली, उज्जैन एवं उमरिया में संचालित हो रहा है।

मैदान में जिला पंचायत सीईओ, जन सेवा शिविरों का निरीक्षण

जबलपुर यशभारत। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान 2.0 प्रदेश में 10 मई से 25 मई तक चलेगा। इसी तारतम्य में जिले में प्री-शिविर आयोजित किये जा रहे हैं जिनका निरीक्षण जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती जयति सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने सोमवार को जनपद पंचायत सिहोरा की ग्राम पंचायत पौड़ी खुर्द, मझगंवा, गिदुरहा, सैलवारा आदि ग्रामों का भ्रमण किया और निर्देशित किया कि अभियान का मुनादी एवं दीवार लेखन के द्वारा अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों में प्रचार प्रसार किया जावे साथ ही अभियान अंतर्गत प्रदाय सेवाओं की जानकारी संबंधित ग्राम वासियों को दी जाए, जिससे कि सेवाओं का लाभ ग्रामीणों को अधिक से अधिक दिलाया जा सके। साथ ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा अमृत सरोवर एवं ग्रामीण विकास विभाग की निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया गया एवं कार्य समय सीमा में गुणवत्ता युक्त पूर्ण कराने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहोरा सहायक यंत्री एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा की टक्कर से बच्चा घायल

जबलपुर यशभारत। हनुमानताल थाना अतंर्गत प्रेमसागर पुलिस चौकी के पीछे एक ई-रिक्शा चालक ने चिप्स लेने गए एक बच्चें को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमसागर निवासी 9 वर्षीय आदित्य उर्फ पुष्पेंद्र घर से पैदल किराना दुकान आलू चिप्स लेने गया था, जैसे ही वह प्रेमसागर पुलिस चौकी के पीछे पहुंचा, तभी ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 आरए 0896 के चालक ने आदित्य उर्फ पुष्पेंद्र को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा उसके पैर पर चढ़ गया और वह घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी ई-रिक्शा चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर पर धारा 279, 337 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

आधी रात को पिता ने बेटे का सिर फोड़ा

मझौली 5 नंबर वार्ड की घटना

जबलपुर यशभारत। मझौली 5 वार्ड नंबर में बीती देर रात एक पिता ने अपने बेटे के सिर पर लोहे की धारदार चीज से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया और फिर उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। हमले के बाद पिता गेंदालाल चौधरी बेटे को धमकाते हुए भाग निकला। जिसके बाद घायल ने मझौली पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट पर गेंदालाल के खिलाफ अपराध कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इस संबंध में घायल प्रकाश चौधरी 30 वर्ष ने बताया कि बीती रात वह सोने जा रहा था तभी उसका पिता गेंदालाल बिना किसी बात के उसको गाली बकने लगा। जब उसने गाली देने से मना किया तो गेंदालाल ने लोहे की चीज से बेटे पर हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया।

द केरला स्टोरी देखने मल्टीप्लेक्स पहुंचा भाजपाईयों का समूह

विधायक अशोक रोहाणी ने कहा- शहर की बेटियां देखें ये फिल्म और जागरूक होकर करें अपनी सुरक्षा

जबलपुर,यशभारत। सांसद राकेश सिंह के नेतृत्व में भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने सिविक सेंटर स्थित समदड़िया मॉल के मल्टीप्लेक्स में द केरला स्टोरी मूवी देखी। इस दौरान केंट विधायक अशोक रोहाणी, पूर्व महापौर स्वाति गोडबोले, भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपाईयों की उपस्थिति रही। केंट विधायक अशोक रोहाणी ने बताया कि पिक्चर मे हिंदू धर्म की लड़कियों को बहला-फुसलाकर अपने जाल में फंसाया जाता है और फिर उनके साथ दरिंदगी की जाती है। युवतियों के साथ जालसाजी का सजीव चित्रण पिक्चर में किया गया है। आज के युवा वर्ग की पीढ़ी, छात्राओं, बच्चियों को यह पिक्चर देखना चाहिए और जागरूक होना चाहिए। कि आज का परिवेश कैसा है।

फ्लाइंग किक योद्धाओं ने मारी बाजी सात स्वर्ण तीन रजत पदक पर जमाया कब्जा

जबलपुर , यशभारत। 7वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2023 में मध्यप्रदेश के फ्लाइंग किक योद्धाओं ने जीते दस पदक । मध्यप्रदेश फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव राजकुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय फ्लाइंग किक खेल महासंघ एवं फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 7वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2023 का आयोजन इंदिरा गांधी फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस यूनिवर्सिटी विकासपुरी दिल्ली में किया गया जिसमें मध्यप्रदेश टीम दल का प्रतिनिधित्व कर रहे फ्लाइंग किक योद्धाओं ने अपने आयु एवं वजन वर्ग में अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर सात स्वर्ण एवं तीन रजत पदक अर्जित करने में सफल रहे। राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक मण्डल की भूमिका फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के महासचिव राजकुमार यादव,राष्ट्रीय रेफरी जयराज चौधरी, मास्टर विकी तेलंगाना ने निभाई। 7वीं राष्ट्रीय फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के पुरुस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में दिल्ली ओलम्पिक एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप वत्स एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित फ्लाइंग किक स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ विजय राव, महासचिव नीरज कुमार ने फ्लाइंग किक योद्धाओं को पदक पहनाकर सम्मानित किया । स्वर्ण खिलाड़ी के नाम इस प्रकार है - जसमीत कौर,मानवी यादव, जसप्रीत कौर, शिवानी बेन,मानवराज यादव, कार्तिक यादव, पीयूष सोनकर । रजत पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है- वैभव श्रीवास्तव, तेजस्विनी भलावी,देवनूर कौर ग्रोवर ।

कार्यालय नगर पालिका निगम, जबलपुर

पत्र क्रं./हो.शा./2023-24 /09- पीआरओ-86 **आवश्यक सूचनाएं** जबलपुर, दिनांक 08/05/20

म.प्र. आउटडोर विज्ञापन नियम 2017 के तहत निगम सीमा अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर व्यवसायरत निजी दुकानदारों, अन्य व्यवसायियों, सम्पत्ति मालिक, प्राइवेट प्रापर्टी ऑनर, सेल्फ एडवरटाईजर्स को सूचित किया जाता है कि उनकी दुकानों / संस्थाओं /सम्पत्ति/ स्थानों पर स्वयं के अथवा अन्य व्यावसायी संस्थानों/कंपनियाँ के विज्ञापन / बोर्ड / फ्लेक्स / साइनेज बोर्ड / भित्ति चित्रण /भित्ति लेखन /भित्ति आच्छादन/खम्बों/पोस्टर आदि लगे होने की स्थिति में म.प्र. आउटडोर विज्ञापन नियम 2017 के कंडिका क्र. 4 के अनुसार पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है। होर्डिंग विभाग के लाइसेंस शाखा जार्ज टाउन स्कूल, मालवीय चौक जबलपुर में कार्यालयीन समय में संपर्क कर पंजीयन फॉर्म की पूर्ति करते हुए प्रति अभिकरण पंजीयन शुल्क राशि 10,000/- (दस हजार) रुपये एवं जीएसटी राशि रूपये 1800/- (अठारह सौ रू.) जमा करावे एवं अनुज्ञप्ति शुल्क रू. प्रति वर्गफीट कलेक्टर गाईड लाईन की कीमत का न्यूनतम 4 प्रतिशत के मान से जमा करायें अन्यथा कि स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

होर्डिंग अधिकारी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

क्रमांक-अधी.यंत्री/का.सेल/2023-24/पी.आर.ओ.-82 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक, 08.05.2023

(म.प्र. नगर पालिका (कालोनी विकास) नियम 2021 के नियम 23(7) के अंतर्गत)

नगर पालिक निगम जबलपुर के सीमा क्षेत्र में विद्यमान ऐसी अनाधिकृत कालोनियों में नागरिक अधोसंरचना प्रदान किये जाने के उद्देश्य से निम्न कालोनियों में मध्यप्रदेश नगर पालिका (कालोनी विकास) नियम 2021 के नियम 23 (2) के तहत प्रारंभिक सार्वजनिक सूचना उक्त वर्णित कालोनी के कॉलम में दर्शाये समाचार पत्रों में दर्शित तिथि को प्रकाशित कराई गई थी। प्रकाशित सूचना में निर्दिष्ट अवधि में किसी भी आपत्ति/सुझाव इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुए है :-

क्रमांक	मौजा/ग्राम	खसरा नं.	विकास शुल्क की राशि	प्रारंभिक सार्वजनिक सूचना प्रकाशन दिनांक
1.	गोहलपुर	167 कुल रकवा 4112.86 वर्गमीटर	29/- रूपये प्रति वर्गफुट प्लाट क्षेत्रफल पर	नई दुनिया, हरि भूमि, हिन्दी एक्सप्रेस दिनांक 19.04.2023
2.	गोहलपुर	168 कुल रकवा 16550.00 वर्गमीटर	38/- रूपये प्रति वर्गफुट प्लाट क्षेत्रफल पर	पत्रिका, जबलपुर एक्सप्रेस, दोस्त सावधान दिनांक 19.04.2023
3.	गोहलपुर	165/2 कुल रकवा 13339.30 वर्गमीटर	29/- रूपये प्रति वर्गफुट प्लाट क्षेत्रफल पर	दैनिक भास्कर, नवभारत, भिंडनाईट दिनांक 19.04.2023
4.	गढ़ा	213, 214, 216, 217, 275, 276, 277, एवं 278 रकवा 10890 वर्गमीटर	29/- रूपये प्रति वर्गफुट प्लाट क्षेत्रफल पर	दैनिक भास्कर, देशबन्धु, जयलोक दिनांक 20.04.2023
5.	ग्वारीघाट	19/2 रकवा 2450 वर्गमीटर	182-50/- रूपये प्रति वर्गफुट प्लाट क्षेत्रफल पर	नई दुनिया, पीपुल्स समाचार, दोस्त सावधान दिनांक 20.04.2023

मध्यप्रदेश नगर पालिका (कालोनी विकास) नियम 2021 के नियम 23 (7) में वर्णित प्रावधानों के तहत् उक्त कालोनी के भूखण्ड स्वामी भवन अनुज्ञा, जल संयोजन तथा विद्युत संयोजन के लिये पात्र होंगे।

अपर आयुक्त, नगर निगम, जबलपुर

दुनिया को अपने जख्म मत दिखाते फिरना। दुनिया बड़ी जालिम है।तुम्हारे दुखों को रो रो कर पूछेगी और जमाने को हंस हंस कर बताएगी। सुखी जीवन का एक ही फार्मूला है कि जीवन में कभी सुख आए तो हंस लेना और दुख आए तो हंसकर उड़ा देना। सुख और दुख पारिवारिक सदस्य नहीं हैं मेहमान हैं और मेहमानों का क्या? उनका आना जाना तो लगा ही रहता है।

-मुनिश्री तरुण सागर

संपादकीय

जलता मणिपुर, सुलगते सवाल

भारत का पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर इन दिनों जल रहा है. यहां बीते कई दिनों से हो रही हिंसा में अभी तक 54 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है. राज्य में स्थिति को बिगड़ता देख केंद्र ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मणिपुर के लिए भेजा है. सेना और पैरामिलिट्री के 10 हजार से ज्यादा जवानों की तैनाती के बाद यहां हिंसक घटनाओं में थोड़ी कमी जरूर आई है। हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से नागरिकों को निकालने का ऑपरेशन जारी है। सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी कुछ देर के लिए कर्फ्यू में ढील दी है। लोग जरूरी सामान खरीदते नजर आए। लोगों को निकालने के लिए महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश ने स्पेशल फ्लाइट्स चलाई हैं। इसके अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड की सरकारों ने भी रेक्स्यू के लिए कदम उठाए हैं। लेकिन इन सब के बीच सवाल ये उठता है कि आखिर ऐसी कौन सी वजह है जिसके कारण यहां के लोग लगातार विरोध कर रहे हैं और हिंसा तक करने पर उतारू हैं. हिंसा की वजह से मणिपुर में हालात इतने खराब है कि ऐहतियातन सरकार ने पूरे मणिपुर में इंटरनेट बंद करने का फैसला लिया है, साथ ही हिंसा करने वालों को देखते ही गोली मारने का भी आदेश दिया जा चुका है। वैसे तो मणिपुर पूरे अप्रैल में सुलगता रहा, लेकिन राष्ट्रीय मीडिया ने उसकी खबर नहीं ली। जब बीते हफ्ते वहां हिंसा की आग भड़क उठी, तब सबका ध्यान उस ओर गया। जबकि वहां जो हिंसा देखने को मिली है, उसकी जड़ तो मार्च में ही पड़ चुकी थी। राज्य के बहुसंख्यक मैतेयी और आदिवासी समुदाय के बीच तनाव की जड़ें पुरानी है। मार्च में हा हाईकोर्ट के एक फैसले ने इस तनाव को और बढ़ा दिया। गैर-आदिवासी मैतेयी समुदाय की आबादी राज्य में करीब 53 फीसदी है। यह समुदाय लंबे अरसे से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहा है। मैतेयी समुदाय की दलील है कि अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलने के बाद वे लोग राज्य के पर्वतीय इलाकों में जमीन खरीद सकेंगे। फिलहाल वे लोग मैदानी इलाकों में तो जमीन खरीद सकते हैं, लेकिन पर्वतीय इलाको में जमीन खरीदने का उनको अधिकार नहीं है। आदिवासी समुदाय उसकी इस मांग का विरोध करता रहा है। आदिवासी संगठनों का कहना है कि ऐसा होने पर मैतेयी समुदाय उसकी जमीन और संसाधनों पर कब्जा कर लेगा। आदिवासी संगठनों को चिंता है कि अगर मैतेयी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिल गया को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों से आदिवासियों को वंचित होना पड़ेगा। राज्य की कुल आबादी में 40 फीसदी आदिवासी हैं। इनमें नागा और कुकी समुदाय भी शामिल है। जाहिर है, इस सारे विवाद की जड़ में पहचान की राजनीति और उस सियासत से जुड़े फायदे हैं। लेकिन ऐसी राजनीति में विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा होना लाजिमी होता है। फिलहाल, उसका ही एक नतीजा मणिपुर में देखने को मिला है। उचित ही भाजपा की राजनीति सामुदायिक पहचान केंद्रित राजनीति को इस हाल के लिए एक हद तक जिम्मेदार माना गया है। आरोप है कि पार्टी चुनाव के समय तो तमाम आदिवासी संगठनों के नेताओं को दिल्ली बुलाकर उनसे ऊंचे वादे करती हैं। लेकिन चुनाव बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है। उससे आदिवासी नाराज रहे हैं। हाई कोर्ट के निर्णय के बाद वो नाराजगी उबल पड़ी है।मणिपुर पिछले कुछ दिनों की हिंसा के बाद उबरने की कोशिश कर रहा है. स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं है. लेकिन मणिपुर के बाहर के लोगों के लिए इस हिंसा की वजहों को समझना भी आसान नहीं है।

बिलावल को आईना दिखाया भारत ने

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लंबे समयतक भूलेंगे नहीं अपनी हालिया भारत यात्रा को। वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भाग लेने के लिए भारत आए थे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें भारत की तरफ से किसी राष्ट्राध्यक्ष की तरह का सम्मान मिलेगा। पर बिलावल भुट्टो को भारत साफतौर पर जताना चाहता था कि भारत उनसे नाराज है क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले न्यूयार्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऊँ पर अत्यंत अशोभनीय टिप्पणी की थी। उनकी तब भारत में चौतरफा निंदा भी हुई थी। दरअसल भारत तब ही से उनसे खफा था। बिलावल गोवा में आए। वे चाहते थे कि उनकी भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अलग से बात हो जाए। पर भारतीय विदेश मंत्री ने उन्हें घास नहीं दी। भारत जानता है कि पाकिस्तान के पैरे के नीचे जमीन नहीं है। वह मुंबई हमलों के गुनाहगारों को दंड देने के मामले पर बात नहीं करेगा, उसे अपने देश में आतंकवादियों की फैक्ट्री को खत्म करने में कोई दिलचस्पी नहीं है और उसने वहां पर धार्मिक अल्पसंख्यकों की लगातार हो रही हत्याओं पर चर्चा करना भी गवारा नहीं होगा।

एस. जयशंकर ने सम्मेलन में पाकिस्तान को साफ बता दिया कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग था, है और रहेगा। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरह जम्मू-कश्मीर में भी जी-20 की बैठकें हो रही हैं, इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। यानी भारत एससीओ सम्मेलन क बहाने अपने अगले-पिछले बदलने लेने के मूड में था। एस.जयशंकर ने तो बिलावल से हाथ तक नहीं मिलाया। मिलाते भी क्यों उस शख्स से जो भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री पर ओछी टिप्पणी कर रहा था।

4 मई को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के लिए भव्य भोज का आयोजन किया। इसके साथ ही समूह के दो दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत हुई।बेनौलिम में समुद्र के किनारे ताज एक्सोटिका रिसॉर्ट में आयोजित स्वागत समारोह में चीनी विदेश मंत्री छिन कांग, रूस के सर्गेई लावरोव और बिलावल भुट्टो जरदारी, उज्बेकिस्तान के बख्तियार सैदोव, एससीओ महासचिव झांग मिंग वगैरह ने भी भाग लिया। यहां भी हमारे विदेश मंत्री ने बिलावल भुट्टो को नजरअंदाज ही कर दिया। दरअसल, करीब 12 साल बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की भारत यात्रा है। उनसे पहले हिना रब्बानी खार ने 2011 में शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान की विदेश मंत्री के रूप में भारत की यात्रा की थी।

हालांकि एसएसीओ के मंच से कोई द्विपक्षीय मुद्दे नहीं उठाए जाते, पर भारत की तरफ से कतई कोशिश नहीं हुई कि धूर्त पड़ोसी के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने की बाबत कोई पहल हो। कारण बहुत साफ है। पाकिस्तान सुधरने का नाम ही नहीं लेता। वहां का अवाम आजकल मंहगाई के कारण दाने-दाने को मोहताज है। पर पाकिस्तान नहीं सुधरेगा। पाकिस्तान के नेताओं को मर्यादित भाषा में अपनी बात रखने की तमीज ही नहीं है। पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार में गृह और रेल मंत्री शेख राशिद और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी जेल भी भारत और हिन्दू धर्म के खिलाफ जहर उगलते थे। शेख राशिद बेहद हल्के इंसान हैं। उनकी हरेक प्रेस क़ॉफ्रेंस को देखकर उनके गटर छाप इंसान होने का अंदाजा लग जाता है। वे या तो नवाज शरीफ या शहबाज को कोस रहे होते हैं या वे जरदारी और उनके पुत्र बिलावल भुट्टो को पाकिस्तान के ताजा खराब हालात के लिए दोष दे रहे होते हैं। यहां तो तो ठीक है कि वे अपने राजनीतिक विरोधियों पर अनावश्यक वार करते हैं। उन्हें अपने देश के कठमुल्लों के बीच इसलिए सम्मान मिलता रहा है, क्योंकि वे भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देते रहते हैं। अपने को दिलीप कुमार तथा रेखा का फैन बताने वाले शेख राशिद यहां तक कह चुके हैं कि उनके देश के पास रखे परमाणु हथियार भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकते हैं। इस्तेमाल इस तरह से होंगे ताकि भारत में रहने वाले मुसलमान बच जाएं।

शेख राशिद कहते थे कि हमारे पास 250-250 ग्राम के न्यूक्लियर हथियार हैं, हम जहां चाहे गिरा सकते हैं। पाकिस्तान को डरने की क्या जरूरत है। इसके साथ ही वो कहा करते थे कि भारत को ऐसा सबक सिखाएंगे कि भारत के सारे मंदिरों की घंटियां बंद हो जाएंगी। घोर अवसरवादी राशिद एक जमाने में जुल्फिकार अली भुट्टो से लेकर नवाज शरीफ के करीबी रहे भी हैं। फवाद चौधरी भी शेख राशिद की तरह ही भारत विरोधी हैं। वे भी भारत की तरक्की से जलते-भुनते रहे हैं। जब राफेल लड़ाकू विमान को सौंपे जाने से पहले पूजा हुई तो फवाद चौधरी ने पूजा का मजाक उड़ाया। दरअसल पाकिस्तान के डीएनए में भारत और हिन्दुओं का विरोध करना है। इसलिए भारत के कई कूटनीति के जानकारों को हैरानी नहीं हुई थी जब बिलावल भुट्टो ने बकवास की थी। पर 2014 के बाद भारत की विदेश नीति बदल चुकी है। अब उसके तेवर और फ्लेवर रक्षात्मक नहीं रहे। अब दोस्ती का जवाब गले मिलकर दिया जाता है और कटुता का जवाब उसी कटु जुबान में दिया जाता है। जाहिर है, उसी नीति पर चलते हुए भारत ने बिलावल भुट्टो को घास नहीं डाली।

इस बीच, यह भी सच है कि एससीओ सदस्यों के बीच आपसी विवाद भी हैं। उदाहरण के रूप में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लंबे समय से चल ही रहा है। पर साथ ही आपसी कारोबार भी जारी है। दोनों मुल्कों का आपसी व्यापार 100 अरब रुपये तक होने को है। आतंकवाद को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद है। भारत बार-बार पाकिस्तान से कहता रहा है कि वह आतंकवाद को खत्म करे। पर पकिस्तान नहीं सुनता। इसलिए वह तेजी से बर्बाद भी हो रहा है। सीमा विवाद किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान के बीच भी है। एससीओ के आठ सदस्य देश दुनिया की आबादी का लगभग 42त्न और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 25त्न प्रतिनिधित्व करते हैं। इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं जिसे एससीओ देशों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर बढ़ावा दिया जा सकता है। भारत चाहेगा कि वह पाकिस्तान को छोड़कर एससीओ के शेष सदस्यों के साथ मिलकर पर्यटन और बाकी क्षेत्रों में काम करे। पाकिस्तान के साथ तालमेल करने का सवाल ही नहीं है। भारत अपने पड़ोसी को कई बार आजमा चुका है। वहां से कोई सकारात्मक बदलाव की संभावना नहीं है। पाकिस्तान के नेतृत्व और अवाम को अपन खुद के बुरे-भले का पता ही नहीं है। इसलिए उससे अब मित्रता की बात करना व्यर्थ ही होगा।

आर.के. सिन्हा

गुणवत्ता से ही जीवन में उत्कृष्टता संभव

एक पत्रिका मेरे सम्मुख है जिसके कवर पर एक विज्ञापन छपा है– गुणवत्ता के साथ समझौता न करें, आईएसआई मार्क वाली वस्तुऐं खरीदें। विज्ञापन में उपभोक्ताओं को उत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुएं ही खरीदने की सलाह दी गई है जो बिल्कुल ठीक है। लेकिन विज्ञापन में वर्तनी संबंधी एक त्रुटि भी दृष्टिगोचर होती है। वस्तुऐं की बजाय सही स्पैलिंग है - वस्तुएं। वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ-साथ भाषा की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाये तो कितना अच्छा हो। पर क्या मात्र भाषा या वर्तनी की शुद्धता अथवा गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा व्यक्ति के विचारों की गुणवत्ता संभव है?

जहां तक भाषा की बात है, भाषा हमारे विचारों की वाहक होती है अतः विचारों की गुणवत्ता का बहुत महत्व होता है। यद्यपि भाषा की शुद्धता में वर्तनी का भी पर्याप्त महत्व है लेकिन विचार-भाव भाषा की आत्मा होते हैं। इसलिए वस्तुओं ही नहीं, विचारों -भावों की गुणवत्ता के साथ भी समझौता न करें। विचारों अथवा भावों की गुणवत्ता से कर्म की गुणवत्ता तथा कर्म की गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखना संभव है। जिस प्रकारउत्पादों की गुणवत्ता उत्पादक के विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है, उसी तरह व्यक्ति के व्यवहार -व्यक्तित्व की गुणवत्ता भी विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है।जब कोई अशिष्टता से पेश आता है तो हम अंग्रेजी का जुमला इस्तेमाल में लाते हैं- माइंड योर लैंग्वेज। पर क्या भाषा पर नियंत्रण द्वारा हम अपनी मनोदशा या व्यवहार बदल सकते हैं? यदि बाहरी दबाव से ऐसा किया जाता है तो वो कुछ समय के लिए संभव है लेकिन स्थायी रूप से नहीं। भाषा हमारे भावों अथवा विचारों की बाह्य अभिव्यक्ति होती है। यदि हम भाषा पर पूर्ण नियंत्रण कर पाते हैं तो इसका सीधा अर्थ है कि हमने अपने विचारों पर भी नियंत्रण कर लिया है जो वास्तव में मन पर नियंत्रण द्वारा ही संभव है। इस प्रकार का नियंत्रण ही महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वो स्थायी होता है। जैसा हम चाहते हैं या जो अच्छा है वो मन के स्तर पर होना चाहिए। उसमें मन की स्वीकृति होनी चाहिए।जिस प्रकार अपनी पसंद के सुंदर फूल पाने के लिए उन फूलों के पौधों के बीज बोना संभव है, उसी प्रकार अच्छे जीवन के निर्माण के लिए अच्छे कर्म करना और अच्छे कर्म करने को अच्छे विचारों का विकास करना भी संभव है।

विचारों का उद्गम है मन। मन पर नियंत्रण द्वारा हम गलत विचारों पर रोक लगा सकते हैं तथा अच्छे विचार भर सकते हैं। यदि जीवन रूपी बगिया रंगों से सराबोर करनी है तथा महकानी है तो मन रूपी बगिया में अच्छे विचार-बीज बोइए, सकारात्मक सोच के पौधे लगाइए।प्रायः कहा जाता है कि पुरुषार्थ से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मन की इच्छा से नहीं। बिलकुल ठीक बात है लेकिन मनुष्य पुरुषार्थ कब करता है? पहली बात, मन की इच्छा के बिना पुरुषार्थ असंभव है। मनुष्य में पुरुषार्थ या हिम्मत अथवा प्रयास करने की इच्छा भी भाव से ही उत्पन्न होती है और सभी भाव मन द्वारा उत्पन्न-संचालित होते हैं। अतः मन की उचित दशा अथवा सकारात्मक विचार ही पुरुषार्थ को संभव बनाते हैं। मन में उत्पन्न होने वाले प्रेरणास्पद भाव ही पुरुषार्थ के लिए उत्प्रेरक तत्व का कार्य करते हैं। यदि मन ही साहस, स्फूर्ति व सफलता प्राप्त करने की कामना से रहित हो तो कुछ भी संभव नहीं।सफलता पूर्ण रूप से पुरुषार्थ पर नहीं, मन की इच्छा पर निर्भर है। इच्छाएं ही हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं, लेकिन संतुलित सकारात्मक इच्छाएं क्योंकि जैसी इच्छा वैसा परिणाम। कुछ लोग इच्छाओं के त्याग की बात करते हैं लेकिन इच्छाओं के अभाव में हम एक दम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। आज हम जो हैं अपनी इच्छाओं के कारण हैं। यदि हम अच्छी स्थिति में नहीं हैं तो हमें अपनी इच्छाएं बदलनी होंगी। उत्तम गुणवत्ता वाले विचारों का चयन सीखना होगा।हम सही विचारों का चयन करना सीखें ये इच्छा रखना भी अनिवार्य है। स्वास्थ्य विषयक सकारात्मक विचार आरोग्य प्रदान करेंगे तथा समृद्धि के प्रति विश्वास के विचार समृद्धि देंगे। कुछ लोग केवल भौतिक सुख-समृद्धि चाहते हैं। उनको ये सब मिलता भी है लेकिन वास्तविक सुख-संतुष्टि नहीं। जीवन में संतुष्टि की कामना करेंगे तो संतुष्टि भी मिलेगी। संतुष्टि के सामने मात्र भौतिक सुख और समृद्धि विशेष महत्व नहीं रखते। अतः मन को संतुलित सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत रखना ही श्रेयस्कर है और यही अभीष्ट भी। आईएसआई मार्क वाली वस्तुएं ही नहीं, हमारे भाव भी आईएसआई मार्क वाले हों तभी जीवन में उत्कृष्टता का सही समावेश संभव है।

-सीताराम गुप्ता

आपका राशिफल 10 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

फिल्म वर्ग पहेली - 6158

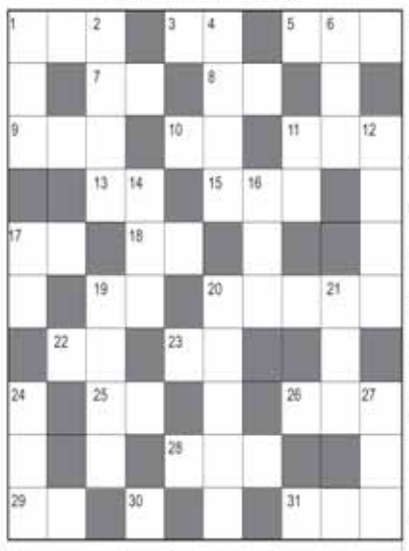

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छत्तरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरुद्दीन शाह, मोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये मैरी साजन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'हेकना है अगर तेरा लौंडे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरु' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, मंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, हेमा राय की 'तेरे हाथों में पहनके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, गुली की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अजहर वासी, रवि गोसाईं, तब्बू की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के हार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पांडी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कैसाडी मी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरुद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'काल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्रॉफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवा मगल' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'लोका' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जग' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली मंजपदल, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं आँचल हमारा सिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की नायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रोकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आंदि के सी टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6157

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6672

✱☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6671 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

Summer में किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं पुदीने की चटनी, कई रोग होते है दूर

पुदीने की पत्तियों में एडाप्टोजेन गुण होते हैं जो गर्मियों के दौरान शरीर को ठंडा करने में मदद करते हैं। ऐसे में स्वाद का टेस्ट बढ़ाने के लिए चटनी की अगर बात की जाए तो गर्मी में पुदीने की चटनी खाने की सलाह सभी देते हैं। क्योंकि पुदीने की तासीर ठंडी होती है जो पेट के लिए काफी फायदेमंद होती है तो चलिए आज आपको पुदीने की चटनी के फायदे बताते हैं।

खांसी-जुकाम से राहत

पुदीने में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाया जाता है जो खांसी-जुकाम जैसी परेशानी को दूर करने में प्रभावी होता है। साथ ही यह इम्यूनिटी को बूस्ट करने में आपकी मदद कर सकता है। अगर आप रोजाना पुदीने की चटनी खाते हैं तो आपके शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ सकती है।

सूजन को कम करने में सहायक

रोजाना इसका सेवन करने से आपको सूजन से छुटकारा मिलेगा। इतना ही नहीं भूख को बढ़ानेऔर आपके द्वारा खाए जा रहे भोजन के स्वाद में सुधार करता है।

मतली से मिलता है छुटकारा

पुदीने की पत्तियों में एक ताजा सुगंध होती है जो मतली से छुटकारा पाने में मदद करती है। वहीं दूसरी ओर आयरन की कमी से एनीमिया होता है, और धनिया और पुदीने की चटनी का सेवन ऐसे मामलों में भी आयरन की मात्रा के लिए मदद करता है।

यश भारत
क्लासीफाइड (वर्गीकृत विज्ञापन)
• आवश्यकता • प्रापर्टी • लोन • मकान • दुकान/आफिस खरीदना बेचना • ज्योतिष • शिक्षण • ट्रेवल्स व अन्य •
1 माह Rs.1800/- | 15 दिन Rs.1200/- | 7 दिन Rs.500/- | 3 दिन Rs.250/- | 1 दिन Rs.150/-
व्यवसाय बढ़ायें-समाधान पायें यशभारत के साथ
भवन नामांतरण | आम सूचना | इश्तहार | गुमशुदा | नाम सुधार | जन्मदिन
बुकिंग हेतु संपर्क करें मो. : 9407348995, 9425160507
e-mail : jabalpur@yasshbharat.com

क्लासीफाइड

प्लाट एवं मकान उपलब्ध
शहर के मध्य अधारताल अमखेरा में धनी की कुटिया से मात्र 2 किमी अंदर सुशीला परिसर में टीएनसीपी रेरा एप्रूव्ड आवासीय कालोनी में प्लाट एवं मकान उपलब्ध सभी बैंकों से फाइनेंस आरसीसी रोड गार्डन झूले सुरक्षित कैम्पस।
संपर्क : संदीप गुप्ता
8770310159, 9826133675

बेचना है
विजयनगर अहिंसा चौक की चाय साय बार की फ्रैन्चाइजी सामान सहित जिसमें डीप फ्रीजर,काफी मशीन, टोस्टर, फ्रायर, स्टूल, एस.बीआर कैमरा और फर्नीचर इत्यादि देना है।
संपर्क : 8085720560, 94254, 12908
(3 मई)

शब्द पहेली - 7718

बाएँ से दाएँ

1.कंठ,गला-3
3.पक्षियों का शौर-4
5.शारीरिक ऊँचाई-2
6.पाचन शक्ति-3
7.माँ की माता-2
8.प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10.रचना करने वाला-5
12.शौरबा,तरी-3
15.खाद्य सामग्री-3
17.दोनों हाथों को पीटना-5
20.भाप्प(अंग्रेजी-2)
22.कदली,एक फल-2
23.उपासना,शीश झुकाना-3
24.घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25.तहखाना-4
26.दया-3

ऊपर से नीचे

1.मर्यादा,सीमा-2
2.कहानी लिखने वाला-5
3.अचरज भरा कार्य-3
4.धर,इच्छित वस्तु देना-4
5.जलजला-3
7.माँ

मध्य प्रदेश में रेत नीति तैयार सरकार की सहमति का इंतजार

कीमत बढ़ाने पर रहेगी रोक

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश में इसी साल से नई रेत नीति लागू होनी है। खनिज साधन विभाग ने नीति तैयार कर ली है, जो कैबिनेट की सहमति के लिए भेजी गई है। नई नीति में रेत की कीमत नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसमें प्रविधान किया है कि ठेकेदार रेत की कीमत नहीं बढ़ाएंगे। वहीं उन्हें ठेके की आधी राशि अग्रिम जमा करनी होगी। अब तक उन्हें 25 प्रतिशत राशि जमा करनी पड़ती थी। बता दें कि वर्षाकाल के बाद प्रदेश में नई रेत नीति के अनुसार खदानें नीलाम की जाएंगी। कमल नाथ सरकार ने वर्ष 2019 में रेत नीति बनाई थी, जिससे रेत खदानों से मिलने वाले राजस्व में छह गुना वृद्धि हुई थी, जो खदानें ढाई सौ करोड़ में नीलाम होती रही थीं, वे 2019 में 1500 करोड़ में नीलाम हुई। हालांकि ठेकेदार ठेके की राशि खदानों से नहीं निकाल पाए और करीब 18 जिलों की खदानें ठेकेदारों ने छोड़ दीं या मासिक किस्त जमा न करने के कारण खनिज विभाग ने

ठेके समाप्त कर दिए। नई रेत नीति में तहसील स्तर पर समूह बनाकर खदानें नीलाम करने का प्रविधान किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि ज्यादा ठेकेदार खदानें ले सकेंगे, किसी एक पर बोझ नहीं पड़ेगा, तो राजस्व भी बढ़ेगा। इससे खदानें पूरी अवधि चल सकेंगी। नई नीति में तीन साल के लिए खदानें नीलाम करने का प्रविधान है। सरकार इस अवधि को दो साल बढ़ा भी सकेगी।

विभाग लेगा अनुमति

इन खदानों को शुरू करने के लिए पर्यावरण और उत्खनन की अनुमति जरूरी है। यह काम अब ठेकेदार नहीं करेंगे, क्योंकि कई ठेकेदार ठेके की अवधि समाप्त होने तक अनुमति नहीं ले पाते हैं। इस बार से यह अनुमति खनिज विभाग लेगा। ठेकेदार को सभी अनुमतियों के साथ खदानें सौंपी जाएंगी। यदि ठेका दिया जा चुका है और अनुमति लेने में देरी होती है तो जितनी देरी होगी, उतना अतिरिक्त समय ठेकेदार को दिया जाएगा। मध्य प्रदेश में मेडिसिन विशेषज्ञ वाले सभी सिविल अस्पतालों में होगी डायलिसिसभोपाल (राज्य ब्यूरो)। मध्य प्रदेश में डायलिसिस सेवाओं में विस्तार की तैयारी है। मेडिसिन विशेषज्ञ वाले सभी सिविल अस्पतालों में भी इसकी सुविधा मिलेगी। अभी सिर्फ सात सिविल अस्पताल समेत सभी जिला अस्पतालों में डायलिसिस की जा रही है। जिला अस्पतालों में भी मशीनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। अभी प्रदेश में लगभग डेढ़ सौ मशीनें हैं, जिन्हें बढ़ाकर इस वर्ष 310 किया जाएगा।

सीएम शिवराज की चेतावनी भ्रष्ट आचरण सहन नहीं करेंगे

■ भोपाल, यशभारत।

भ्रष्ट आचरण किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। जिन अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें हैं, उन पर तेजी से कार्रवाई करें। जिन मामलों में जांच पूरी हो चुकी है, उनमें दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को अभियोजन के मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार की भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जीरो टालरेंस की नीति है और इसके पालन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिन के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति लंबित हैं, उनका तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। 15 जून के बाद विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी के लिए फिर बैठक करेंगे।

यदि विभाग किसी प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने में विलंब करता है तो सबंधित अधिकारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि 15 मार्च 2023 से अब तक 75 प्रकरणों में 119 दोषी अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति दी गई है।

इसमें सर्वाधिक स्वीकृति पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 23, राजस्व ने 12, नगरीय विकास एवं आवास ने नौ, स्वास्थ्य ने आठ, गृह और कृषि विभाग ने छह-छह और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने चार प्रकरणों में दी गई है। बैठक में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

11 मई को मंदसौर में होगा महिला सम्मेलन

मुख्यमंत्री ने आगामी सप्ताह में विभिन्न जिलों में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। 11 मई को मंदसौर में महिला सम्मेलन और सूक्ष्म वृहद परियोजना का भूमिपूजन होगा। 12 मई को भोपाल के लाल परेड मैदान पर गोरक्षा संकल्प सम्मेलन और प्रदेश के सभी विकासखंडों में चार सौ पशु एवं मवेशी एंबुलेंस का लोकार्पण किया जाएगा।

मप्र में श्रीरामचरित मानस का दार्शनिक चिंतन पढ़ सकेंगे विद्यार्थी

■ भोपाल, यशभारत।

प्रदेशभर के कालेजों में नए सत्र से स्नातक (यूजी) तृतीय वर्ष में हिंदी साहित्य और दर्शनशास्त्र के विद्यार्थी श्रीरामचरित मानस का दार्शनिक चिंतन व आधुनिक भारतीय महान विभूतियों का जीवन दर्शन पढ़ सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों में बदलाव किया गया है। पाठ्यक्रमों को सामान्य वैकल्पिक विषयों के कला संकाय में जोड़ा गया है। पाठ्यक्रम तैयार कर लिए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर इन्हें अपलोड भी कर दिया गया है। दर्शनशास्त्र में विद्यार्थी को कठोपनिषद में यम नचिकेता संवाद, मनुस्मृति में मानव धर्म, भागवतपुराण में न्याय एवं परहित की

भावना, रामायण में श्रीराम भरत संवाद एवं महाभारत में मोक्ष धर्म प्रकरण, श्रीमद् भगवतगीता का आध्यात्मिक मानवतावाद, जैन एवं बौद्ध दर्शन पढ़ने को मिलेगा। वहीं हिंदी साहित्य में रामचरित मानस को शामिल किया गया है। इसमें जीवन मूल्य, संवेदना, सामाजिक दृष्टिकोण, लोक व नगरीय संस्कृति को समझने का मौका मिलेगा। इसके अलावा आधुनिक भारतीय महान विभूतियों में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, आर्य समाज की स्थापना, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, पंडित मदन मोहन मालवीय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, पूर्व राष्ट्रपति डा. राधाकृष्णन, डा. भीमराव आंबेडकर सहित अन्य विभूतियों के व्यक्तित्व व कृतित्व को पढ़ने का मौका मिलेगा। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी धीरेंद्र शुक्ला ने बताया कि स्नातक तृतीय वर्ष में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कुछ नए पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं। इससे व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण, श्रीरामचरित मानस, आधुनिक भारतीय विभूतियों के जीवन दर्शन से विद्यार्थी परिचित होंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से चचेरे भाइयों की मौत

■ भोपाल, यशभारत।

सूखीसेवनिया के रेलवे ट्रैक टोल नाका के पास रविवार दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से चचेरे भाइयों की मौत हो गई। घटना के समय वह परिचितों से खाना खाने का कहकर निकले थे। प्रथम दृष्टया मामला हादसे से जुड़ा नजर आ रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिए है। सोमवार को शवों का पीएम कराने के बाद परिजन को सौंपा जाएगा। थाना प्रभारी वीबीएस सेंगर ने बताया कि राजू गौड़ (25) और मुकेश सिंह (22) गांव टपरा, थाना मेघवास, जिला विदिशा के रहने वाले थे। दोनों चचेरे भाई थे और सूखीसेवनिया टोल नाके के पास ईंट भट्टे पर रहकर प्रजापति के ईंट भट्टे पर काम कर रहे थे। उनके साथ तीन दर्जन अन्य मजदूर भी भट्टे के पास टपरा बनाकर रह रहे थे। रविवार छुट्टी होने के कारण राजू और मुकेश ने दिन में पार्टी की और खाना खाने का कहकर निकले थे। इसके बाद उनके शव दोपहर करीब तीन बजे के आसपास टोल नाका रेलवे ट्रैक पर मिले।

विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए कांग्रेस ने राष्ट्रीय सचिवों को दिए जिलों के प्रभार

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही विभिन्न दलों ने अपनी तैयारियां भी आरंभ कर दी हैं।कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए अपने राष्ट्रीय सचिवों को जिलों का प्रभार दिया है। जानकारी के अनुसार ये सचिव जिलों का प्रवास करके वहां कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और मतदान केंद्र स्तर पर सहयोगी संगठनों की तैयारियों की समीक्षा करके प्रतिवेदन प्रभारी महासचिव जयप्रकाश अग्रवाल और प्रदेश कांग्रेस कमेटी को देंगे। कुलदीप इन्दौरा- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार, रतलाम, मंदसौर, नीमच, रायसेन, विदिशा और सीहोर।

संजय कपूर- जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, अनूपपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, बैतूल, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और उमरिया।

सीपी मित्तल- टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, सागर, दमोह, पन्ना, कटनी, सतना और रीवा।

शिव भाटिया- श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर और राजगढ़।

संजय दत्त- खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, हरदा, देवास, शाजापुर और आगर मालवा।

नारी सम्मान योजना के आज से आवेदन भरवाएगी कांग्रेस

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर नारी सम्मान योजना लागू की जाएगी। इसमें महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह और पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलिंडर दिए जाने का वादा कांग्रेस कर रही है। इसके लिए आवेदन पत्र भरवाने की शुरुआत नौ मई से पूरे प्रदेश में एक साथ की जाएगी।इसका शुभारंभ छिंदवाड़ा जिले के परासिया विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करेंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की पत्रकारवार्ता होगी। प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया कि नारी सम्मान योजना के आवेदन तैयार कर लिए गए हैं।इसमें आवेदनकर्ता का नाम, आधार नंबर, समग्र आइडी, आयु, जन्मतिथि, वर्ग, विधानसभा क्षेत्र, ग्राम पंचायत या वार्ड, पंजीयन करने वाले का नाम और मोबाइल नंबर लिया जाएगा। आवेदनकर्ता को इसकी पावती भी दी जाएगी। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ की ओर से वचन दिया जाएगा।

भाजपा में मेल-मुलाकात का दौर, प्रदेश अध्यक्ष से मिले पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की घड़ी जैसे-जैसे पास आती जा रही है, मेल-मुलाकात को दौर भी तेज हो गया है। लंबे समय से उपेक्षा के कारण नाराज बताए जा रहे नेताओं से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा चर्चा की जा रही है। रविवार को पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा ने भोपाल में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बंद कमरे में चर्चा हुई।अनूप मिश्रा 2013 का विधानसभा चुनाव हार गए थे। पार्टी ने उन्हें वर्ष 2014 में मुरैना से लोकसभा

चुनाव लड़ाया और वे निर्वाचित हुए।हालांकि, वर्ष 2018 में भितरवार सीट से फिर विधानसभा चुनाव लड़ा और हार गए।तब से ही उपेक्षित चल रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने फिर विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। इस पर निर्णय तो बाद में होगा पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. गोविन्द सिंह ने उन्हें कांग्रेस में शामिल होने का सुझाव दिया। रविवार को वे भोपाल पहुंचे और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की। इस सौजन्य मुलाकात बताया जा रहा है पर सूत्रों का कहना है कि वर्तमान राजनीतिक स्थितियों को लेकर चर्चा हुई।पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन ने एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुलाकात की।

पुलिस की चौकसी के बीच तीन स्थानों के ताले तोड़कर दो लाख की चोरी

भोपाल, ईएमएस। राजधानी में 24 घंटे में एक बार फिर एक दुकान और दो सूने मकानों के ताले तोड़कर दो लाख का सामान चोरी कर लिया गया। पुलिस ने सभी मामलों में चोरी की एफआइआर दर्ज कर ली है। पुलिस के मुताबिक बागसेवनिया के अमराई परिसर में रहने वाले जयनाथ विश्वकर्मा निजी काम करते हैं, वह किसी काम से बाहर गए थे। इस दौरान अज्ञात आरोपितों ने उनके मकान के ताले तोड़कर चोरी की वारदात कर एक लाख का सामान चुराकर फरार हो गए।बाद में जब वह घर पहुंचे तो घर का बिखरा सामान देखकर वह समझ गए कि चोरी हो गई। बाद में सामान चेक करने के बाद उन्होंने थाने में एफआइआर दर्ज कराई। इसी तरह से पुराने शहर के गौतम नगर थाना क्षेत्र के करीब बख्श कालोनी में रहने वाले समीर खान कारोबारी है।उनके घर मकान के छत जाली तासेड़कर बदमाशों ने प्रवेश किया और सामान चुराकर फरार हो गए। वह चोरी गए सामान की सही कीमत की जानकारी जुटा रहे हैं। इस तरह से रातीबड़ के नीलबढ़ पान मसाला की दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने दस हजार का सामान चुरा लिया। बाद में जब दुकान का मालिक दुकान खालने पहुंचा ,तब उसने दुकान के ताले टूटे देखें।

25 लाख रुपये बढ़ेगा विधायकों का स्वेच्छानुदान अनुपूरक बजट में होगा प्रावधान

■ भोपाल, यशभारत।

प्रदेश में विधायकों को प्रतिवर्ष 25 लाख रुपये अतिरिक्त स्वेच्छानुदान राशि मिलेगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विधानसभा के बजट सत्र की घोषणा की पूर्ति के लिए विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत होने वाले प्रथम अनुपूरक बजट में इसका प्रविधान किया जाएगा। अभी जिलों को स्वेच्छानुदान के 50 लाख और निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि ढाई करोड़ रुपये आवंटित की गई है। योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने सभी जिलों को वर्तमान प्रविधान के अनुसार निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि और स्वेच्छानुदान की राशि आवंटित की है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बजट प्रविधान पहले हो गया था और घोषणा बाद में हुई है। अब उसे प्रक्रिया में लेकर प्रविधान किया जाएगा। विधायकों की मांग के अनुरूप इस बार एक बार में वर्षभर का बजट आवंटन दे दिया गया है, ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार निर्धारित राशि का उपयोग कर सकें।उधर, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में हुई विधानसभा की समिति की बैठक में निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि और स्वेच्छानुदान के उपयोग में संशोधन के जिन प्रस्तावों पर सहमति बनी थी, उसका कार्यवाही विवरण तैयार हो गया है। विभाग द्वारा जल्द ही आदेश निकाले जाएंगे। उधर, भाजपा विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने आयुक्त आर्थिक सांख्यिकी को पत्र लिखकर स्वेच्छानुदान को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है, ताकि जनप्रतिनिधि उसके अनुरूप अपनी निधि से कार्यों को स्वीकृति दे सकें। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कहना है कि सदन में हुई घोषणा का क्रियान्वयन करने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होती है। अधिकृत कार्यवाही विवरण में घोषणा का उल्लेख रहता है और अधिकारी दीर्घा में उपस्थित अधिकारी भी घोषणा रिकार्ड कर क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हैं। आश्वासन की पूर्ति न होने पर सदस्य आश्वासन समिति के संज्ञान में मामला लाते हैं और फिर संबंधित विभाग से पूछताछ होती है।

तेंदुआ प्रबंधन की रणनीति बनाएगा मध्य प्रदेश, विशेषज्ञों से लेगा सलाह

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश बाघ ही नहीं चीता और तेंदुआ स्टेट भी है। यहां बाघ आकलन-2018 में देश में सबसे अधिक 3421 तेंदुआ पाए गए हैं, पर उनकी मौत का आंकड़ा भी उतना ही ब?ा है। पिछले साल प्रदेश में 66 तेंदुओं की मौत हुई है। इनमें से 20 का शिकार हुआ है।

तेंदुओं की मौत के लगातार बढ़ते ग्राफ ने वन अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। अब तेंदुआ प्रबंधन के लिए रणनीति बनाई जा रही है। शिकार और दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को रोकने के लिए विशेषज्ञों (पूर्व वन अधिकारियों) से सलाह ली जाएगी। बाघों की तुलना में प्रदेश में तेंदुओं की हर साल अधिक मौत होती है। वर्ष 2021 में 46 की मौत हुई थी, जिसमें से 22 का शिकार हुआ था। 2022 में मौत का आंकड़ा बढ़कर 66 पहुंच गया। इस स्थिति के चलते तेंदुओं की सुरक्षा को लेकर वन अधिकारी सतर्क हुए हैं। क्योंकि बाघ आकलन-2022 के प्रारंभिक रुझान बताते हैं कि प्रदेश में तेंदुओं की संख्या चार हजार के पार जाएगी। यदि अब भी रणनीति बनाकर काम नहीं किया, तो मौत का ग्राफ बढ़ेगा। वन अधिकारियों की चिंता का बड़ा कारण तेंदुओं का शिकार है। जिसे प्रभावी तरीके से रोकने के लिए प्रविधान किया जाएगा। रणनीति तैयार होने के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को भी भेजी जाएगी, जरूरत पड़ने पर बजट भी मांगा जाएगा।

तेंदुआ मित्र पर होगा काम

जानकार बताते हैं कि जैसे कूनो नेशनल पार्क में चीतों की सुरक्षा के लिए पार्क के आसपास बसे गांवों के लोगों को चीता मित्र बनाया है, वैसे ही तेंदुओं की सुरक्षा के लिए तेंदुआ मित्र बनाए जा सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तेंदुआ घने जंगल की बजाए बस्तियों और जंगल के बीच के हिस्से में रहना पसंद करते हैं। दरअसल, उन्हें खाने में कुत्ते, बकरी बेहद पसंद हैं, जो बस्ती के आसपास ही मिल पाते हैं। यही कारण है कि तेंदुए आबादी के आसपास नजर आते हैं और आसानी से शिकारियों का शिकार भी बन जाते हैं। तेंदुआ मित्रों को तेंदुओं की सुरक्षा और उनसे सुरक्षित रहने के तरीके सिखाए जाएंगे।

जंगलों से गुजरने वाले रास्तों में अंडर और ओवरब्रिज

जंगलों से गुजरने वाले सड़क और रेल मार्गों में अंडर और ओवरब्रिज बनाने की नीति देश स्तर पर बन चुकी है, उसका पालन भी शुरू हो गया है। इससे भी तेंदुओं, बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों की जान बचाने में मदद मिलेगी। वर्ष 2022 की बात करें तो मध्य प्रदेश में वाहन और ट्रेन से टकराकर 17 तेंदुओं की मौत हुई है। ऐसे ही जंगल और गांवों के बीच खुले पड़े कुओं को भी मुंडेर बनाकर और जाली लगाकर सुरक्षित बनाना होगा, क्योंकि 2022 में कुओं में गिरने से 10 तेंदुओं की मौत हुई है।

इनका कहना है

तीन वाहन चोरी

पंचवटी मार्ग का विधायक रामेश्वर शर्मा ने भूमिपूजन किया, जल्द बनकर तैयार होगा

■ भोपाल, यशभारत।

रूके हुए कामों को अचार-सहिंता लगने से पहले पूर्ण करने की कवायद तेज हो गई है। इसके लिए विधायक रामेश्वर शर्मा रोजाना निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर रहे हैं। आचार संहिता लगने के बाद क्षेत्र में काम शिथिल पड़ जाते हैं, जिसको देखते हुए विधायक शर्मा क्षेत्र के बाकी बचे काम को पूरा कराने के प्रयासों में तेजी से लगे हैं। पंचवटी की बहुप्रतीक्षित मुख्य सड़क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन रविवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने पंचवटी के लगभग हजार रहवासियों की उपस्थिति में किया । लगभग 3 करोड़ की लागत से सिंगार चोली फ्लाईओवर से पंचवटी होते हुए दाता कॉलोनी मार्ग तक बनने वाली यह स?क जिसकी चौड़ाई 9 मीटर रहेगी। पूर्ण सीसी बनने वाली इस स?क निर्माण से पंचवटी रहवासियों को धूल मिट्टी एवं आवागमन में राहत मिलेगी।भूमि पूजन कार्यक्रम में पहुंचे विधायक रामेश्वर शर्मा का सिंधी सेंट्रल पंचायत एयरपोर्ट रोड के अध्यक्ष महेश बजाज, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव विनोद राजानी, द्वारा पुष्प माला से स्वागत अभिवादन किया।

बिल्डर से सेना के जवान ने 50 लाख की फिरौती मांगी, पुलिस

■ भोपाल, यशभारत।

अयोध्यानगर इलाके में रहने वाले 36 साल के बिल्डर रामदास साहू से सेना के जवान ने 50 लाख की फिरौती मांगकर सनसनी फैल दी। 32 साल के थान सिंह ने फिरौती की रकम वसूलने के लिए बाकायदा गोविंदपुरा इलाके से एक बाइक चोरी की और निशातपुरा में एक शराब दुकान के बाहर से युवक से पांच सौ रुपये में मोबाइल भी खरीदा। इसके अलावा बिल्डर को डराने के लिए उसके आफिस में नकाब पहनकर पेट्रोल बम भी फेंककर दहशत फैला दी। बाद में मामला पुलिस तक पहुंचा तो आला अधिकारियों ने चार टीमें तैनात कर आरोपित को फिल्मी अंदाजा में मौके पर रुपये लेने के दौरान ही गिरफ्तार कर लिया।

अयोध्या नगर प्रभारी नीलेश अवस्थी ने बताया कि सागर स्टेट अयोध्या नगर निवासी 36 वर्षीय रामदास साहू एमकेडी नाम से बिल्डरशिप करते हैं।उन्होंने पुलिस को बताया कि अमृत इंक्लेव मे उनका आफिस है। पांच मई की शाम करीब साढ़े सात बजे के करीब उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया और फोन करने वाले ने उनको धमकाया और आदिल नाम बताकर करीब पचास लाख रुपये मांगे, पहले तो उनको लगा कि कोई दोस्त मजाक कर रहा है,लेकिन थोड़ी ही देर बाद उनके आफिस में पेट्रोल बम भी फेंका दिया, इसमें उनके आफिस में रखी एक स्कूटी जलकर खाक हो गई तो वह डर गए। बाद में उसी बदमाश को दोबारा फोन आया और बोला कि ट्रेलर कैसा लगा और अब पचास लाख रुपये का इंतजाम करके रखो, वरना अंजाम भुगताने तैयार रहो। उसने समय और स्थान थोड़ी देर में बताता हूं। इतना सुनते ही रामदास साहू डर गए और सीधे अयोध्या नगर थाने पहुंचे और पूरा घटनाक्रम बताया। इसको पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए आला अधिकारियों को बताया और आरोपित को दबोचने चार टीमें लगाई गई।

महापौर निवास के पास अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद

भोपाल,यशभारत। पुष्पा नगर में स्थित महापौर निवास के पास रविवार को अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। कार्रवाई के विरोध में अतिक्रमणकारियों के घर की महिलाएं भी सड़कों पर उतर आई और निगम कर्मचारियों को रास्ता रोक लिया। इस दौरान महिलाओं ने निगम की महिला कर्मचारियों के साथ अभद्रता और झूमाझटकी भी की। जोन क्रमांक नौ के एएचओ (सहायक स्वास्थ्य अधिकारी) बलवीर मलिक ने बताया कि बीते कई दिनों से 80 फीट रोड में स्थित पुष्पा नगर के पास अतिक्रमणकारियों के खिलाफ शिकायत की जा रही थी। यहां सड़क किनारे सब्जी, फल आदि के ठेले लगने की वजह से खरीददारों के वाहन मुख्य मार्ग पर खड़े होते थे। इससे यातायात बाधित होता था। सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत हुई। इसके बाद यहां के कब्जाधारियों को खुद से अतिक्रमण हटाने के लिए एनाउंसमेंट किया। लेकिन जब इन्होंने अपना कब्जा नहीं हटाया तो अतिक्रमण अमले के द्वारा कार्रवाई की गई। इस दौरान दो ट्रक से अधिक दुकानों के काउंटर, कुर्सी, टेबल समेत अन्य सामान जप्त किया।

भौंरपानी जलाशय योजना को मूर्त रूप देने से सिंचित होगी हजारों एकड़ भूमि

नरसिंहपुर यशभारत। एक तरफ जहां जल संरक्षण और पानी सहेजकर जमीनी जल स्तर बढाये जाने की दिशा मे तरह तरह की योजनायें चलाई जा रही है। वहीं जिले के अंतर्गत विभिन्न नदियों पर बांध बनाये जाने की घोषणायें की जा रही है। लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र के साथ हमेशा से चल रहे शासन के उपेक्षित नजरिये के कारण वर्षो से आस लगाये बैठे लोगों की जामुनपानी, भौंरपानी, पहाड़ियों के बीच एक जलाशय योजना केवल राजनैतिक इच्छाशक्ति के अभाव में फाइलों में ही दफन हो गई।

स्थानीय नागरिकों और सजग वर्ग द्वारा जरुर समय-समय पर यह विषय उठाया गया लेकिन उनकी आवाज भी नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह गई। भौरपानी जलाशय दो दशक पूर्व से ही पानी की कमी के चलते इसकी उपयोगिता कृषि क्षेत्र के लिए पानी उपलब्ध कराने फिर जमीनी जल स्तर बढ़ाने के लिए दूरदर्शी सोच के साथ यह विषय उठाया गया था। जैसे तैसे संबंधित पीएच ई विभाग के अधिकारियों ने वेमन से जब फाइलें दौड़ाना प्रारंभ की गई तो बीच में वन मंत्रालय का रोड़ा आने फिर उसकी भी मंजूरी मिलने तक समय निकल गया। मंजूरी मिलने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि इस जलाशय के निर्माण होने के उपरांत लगभग 1350 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी दो नहरें भी बनेंगी जिससे आलनपुर ढिलवार और काचरकोना तक की कृषि भूमि को सिंचित किया जा सकेगा। गतिविधी प्रारंभ होने और स्वीकृति के पूर्व ही ऊर्जा विभाग की सिवनी से बीना तक बड़ी हाई-टेंशन लाइन का एक खंबा इस जलाशय के डूब क्षेत्र में आ जाने के कारण फिर सब दिन चले अढ़ाई कोस की स्थिति बनी और आज भी केवल भौंरपानी जलाशय सपना बनकर रह गया। बड़ी लाइन के खंबे खड़े होते समय ही तत्कालीन जनप्रतिनिधियों द्वारा सामूहिक प्रयास हो जाते तो शायद आज जलाशय मूर्त रूप ले लेता। यदि यह जलाषय मूर्तरूप ले लेता है तो जहां हजारों एकड़ जमीन सिंचित होगी, वहीं जमीनी जलस्तर बढ़ने से आये दिन होने वाली पानी की समस्या से भी निजात मिल सकेगा।

नदियों पर नहीं बन पा रहे स्टाप डेम

आज जमीनों की कोख से सर्वाधिक पानी तो खींचा जा रहा है और नर्मदा नदी से पानी लाकर प्यास बुझाई जा रही है लेकिन जल स्तर बढ़ाने की दिशा में कोई उचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। यदि इसी तरह से दोहन होता रहेगा तो निश्चित तौर पर आने वाले समय में हाथ मलने के अलावा और कुछ नहीं रह जायेगा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बरांझ पांडाझिर और सिंदूर नदी लगभग नर्मदा उत्तराखंड के बहुत बड़े भूभाग को कबर करतीं हैं।इन पड़ोसी नदियों पर स्टाप डेम बनाने की मांग जिला मुख्यालय से लेकर विधानसभा तक गई लेकिन वही राजनैतिक इच्छाशक्ति और श्रेय लेने की राजनीति बाधक बनने के कारण इन नदियों पर स्टाप डेम सर्वे होने के बाद भी नहीं बन सके। तीनों नदियों पर स्टाप डेम वनने से आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के हेंडपंपो और ट्यूव वेलों का जमीनी जल स्तर भी बढ़ सकता था। लोगों को निस्तार के लिए पानी और मवेशियों जंगली जानवरों की प्यास भी बुझती लेकिन आज तक इस दिशा में शासन प्रशासन के द्वारा कोई उचित पहल नहीं की गई।स्वयं के खर्च पर खमरिया के समीप क्षेत्रीय विधायक ने वरांझ नदी पर एक स्टाप डेम बनवाया था जिसका लाभ स्थानीय लोगों को कुछ समय तक तो मिला लेकिन बाद मे नदी सूख जाने के साथ अब हैण्डपंपों से पानी की जगह केवल हवा निकल रही है।

जमीनी जल स्तर बढ़ाने हों सामूहिक प्रयास

लगातार धरती के सीने मे खोदे जा रहे बड़ी संख्या मे गड्ढों और सिंचाई के कारण गिरते जमीनी जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयास नहीं किये गये तो यह समस्या हम सब की गले की फांस बन जायेगी। कुछ प्रयास स्थानीय स्तर पर भी स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से जनभागीदारी से अभियान चलाकर किये जा सकतें हैं। हेंडपंपो के किनारे या बहते हुए पानी को सोकपिट बनाकर जल-संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है।

राष्ट्रीय वाटर शेड केवल कर रही खानापूर्ति

तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों मे जहां तहां राष्ट्रीय जल ग्रहण क्षेत्र के तहत मशीनों के माध्यम से जलसंरक्षण की दिशा मे तालाब और ट्रेंचे खोदे जाने का काम गुपचुप तरीके से चल रहा है। इन निर्माण कायों की जब जमीनी हकीकत देखी गई तो खामिया उजागर हो गई। इस तरह राशि का दोहन करने से तो अच्छा काम ना ही हो संबंधित ठेकेदार अधिकारियों से मिलकर राजस्थानी ट्रेक्टरों और जे सी वी मशीनों के माध्यम से जंगल क्षेत्र का अवैध उत्खनन कर जहां राजस्व को चूना लगा रहे हैं वहीं पानी सहेजने के नाम पर केवल खानापूर्ति कर दी गई।

» न्यूज गैलरी

जनपद पंचायत पनागर में विमल जैन सांसद प्रतिनिधि नियुक्त

पनागर, यशभारत। सांसद विवेक कृष्ण तंखा ने जबलपुर जिला के अंतर्गत पनागर जनपद पंचायत में विमल जैन पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पनागर को अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है पनागर के लोकप्रिय नेता एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सम्मति सैनी की अनुशंसा पर हुई इस नियुक्ति पर क्षेत्र की जनता में हर्ष व्याप्त है।

अरविन्द तिवारी सांसद प्रतिनिधि बने

बरेला, यशभारत। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व अतिरिक्त सालिसिटर जनरल आफ इंडिया, पूर्व महाधिवक्ता मध्यप्रदेश श्री विवेक कृष्ण तन्खा जी ने बरेला के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरविन्द तिवारी को नगर परिषद बरेला का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया।

कचहरी वाले बाबा का सालाना उर्स 22 को

सिहोरा, यशभारत। तहसील परिसर स्थित हजरत सैयद कचहरी वाले बाबा का सालाना उर्स प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 22 मई को आयोजित होगा उर्स आयोजन समिति कौमी एकता उर्स कमेटी अध्यक्ष प्रकाश कुररिया ने बताया दो दिवसीय उर्स का शुभारंभ 21 मई को चादर संदल कार्यक्रम से होगा 22 मई को रात 8 बजे कव्वाली का मुकाबला कव्वाल दानिश शाबरी और जुनैद सुल्तानी के बीच होगा।

जल संरक्षण की दिशा में नहीं हो रहे सार्थक प्रयास

नरसिंहपुर/तेंदूखेड़ा यशभारत। एक तरफ जहां शासन विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा मे तरह तरह के प्रयास कर रही है लेकिन योजनाओं को क्रियान्वित करने वाली कड़ी की चल रही मनमानीपूर्ण कार्यवाही के चलते योजनायें कागजी पुलिंदा साबित हो रही है। जिला पंचायत के द्वारा जलग्रहण क्षेत्र के माध्यम से चांवरपाठा विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों मे जगह जगह तालाब खोदे जाने के साथ साथ पहाड़ियों की तल्हेटी मे ट्रेंचे खोदकर बरसात के बहते हुये पानी को इन ट्रेंचों के माध्यम से जमीनी जल स्तर बढ़ाये जाने की दिशा मे काम किया जाना है। लेकिन शुरूआती दौर मे ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े इन निर्माणकार्यो को दृष्टिगत रखते हुये जिले की जिलाधीश महोदया द्वारा मौके पर पंहुचकर संलग्न कर्मचारियों को सुधार कार्य की दिशा मे आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये थे। साथ ही जनपद पंचायत मे अध्यक्ष शोभरन सिंह ठाकुर द्वारा भी इस विषय को गंभीरता से लेते हुये सुधार कार्य के लिये संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से कहा गया था।

आत्मा पर विश्वास होने पर शांति मिलती है : मुनि श्री प्रणम्यसागर महाराज

शहपुरा भिटौनी, यशभारत। अगर हम यह मान लें कि आत्मा नहीं होती तो क्या होगा? आज के लोगों को उसी पर भरोसा होता है जो हमें दिखता है। चीजें होती हैं -दिखती नहीं। पर कुछ चीजें दिखती नहीं किन्तु उनको महसूस किया जा सकता है। जन्म होने के बाद बालक बड़ा होता जाता है। यह एक प्रक्रिया है। वह कब बड़ा होता है यह दिखाई नहीं देता की वह कुछ बड़ा हुआ दिखता नहीं किंतु बढ़ता तो है यह - प्रक्रिया निरंतर चल रही है। इसकी सिद्धि कैसे होती है? आँख से हर चीज़ दिखाई नहीं देती फिर भी उनका अस्तित्व होता है। जब तक शरीर में आत्मा रहती है तब तक वह प्राणी शेर होता है और आत्मा निकलते ही वह ढेर हो जाता है। यह आत्मा की सिद्धि का सबसे बड़ा रहस्य है. जिनको आत्मा पर विश्वास नहीं होता वे कभी ये न बोलें वि कि किसी व्यक्ति का स्वर्गवास हो गया। आत्मा की सिद्धि के बिना परलोक की सिद्धि नहीं होती। भूतप्रेत का

होना ही आत्मा का होना सिद्ध करता है। अर्थात् शरीर तोड़ने के बाद भी आत्मा का अस्तित्व भी रहता है। आत्मा पर विश्वास होने पर आत्मा में शांति होती है। इस लोक में शांति और परलोक में भी शांति मिलना अच्छे अनुष्ठान का फल होता है। कर्म के फल से अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियां मिलती हैं। कर्म भी दिखाई नहीं देता आत्मा भी दिखाई नहीं देती किंतु अस्तित्त्व दोनों का होता है। अच्छे अनुष्ठान कैसे वाले लोग समझदार होते हैं।कोई भी क्रिया कलाप जो किया जाए वह अनुष्ठान कहलाता है। समझदार आदमी प्रत्येक कार्य समय पर करता है। उक्त उद्गार अर्हम योग प्रणेता प्रणम्य सागर जी ने शहपुरा मैं व्यक्त किए । ज्ञात हो की संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज , मुनि श्री चंद्रसागर जी महाराज , छुल्लक 105 छुल्लक अनुनय सागर जी महाराज ,क्षुल्लक 105 सविनय सागर जी महाराज , क्षुल्लक 105 समन्वय सागर जी महाराज , का ग्रीसमकालीन प्रवास शहपुरा मै चल रहा है जहां प्रतिदिन प्रातः 8-30 बजे से मुनि श्री के मंगल प्रवचन हो रहे है । शहपुरा जैन पंचायत ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से सभी कार्यक्रमों मैं उपस्थित होने की अपील की है ।

बुद्ध पूर्णिमा पर ओशो लीला आश्रम में तीन दिवसीय ध्यान शिविर आयोजित

गाडरवारा(यशभारत)बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ओशो लीला आश्रम में तीन दिवसीय ओशो नियो विपसना ध्यान शिविर का आयोजन किया गया।ज्ञातव्य है की ओशो ने अपने प्रवचनों में इस बात का उल्लेख किया है की पूर्णिमा तो प्रतीक है पूर्णता का उस पूर्णता के प्रतीक को पकड़कर पुराण कहता है, बुद्ध पूरे पैदा हुए - पूर्णिमा की रात पैदा हुए- शीतल पैदा हुए,पूरी छवि से पैदा हुए, पूरे सौंदर्य से पैदा हुए, अपूर्व अमृत को लेकर पैदा हुए.फिर पूर्णिमा की रात्रि ही उनके भीतर छिपा हुआ यह अमृत बहा, प्रगट हुआ,स्फुटित हुआ,यह कमल खिला. फिर पूर्णिमा की रात को ही बुद्ध ज्ञान को उपलब्ध हुए,क्योंकि ज्ञान भी पूर्णिमा की रात्रि है.फिर बुद्ध पूर्णिमा की रात्रि ही विदा हुए, क्योंकि मृत्यु भी बुद्ध की पूर्ण होगी.जन्म भी पूर्ण होगा.बुद्ध के जीवन में सभी पूर्ण है। इस बात को कहने के लिए कि बुद्ध के जीवन में सभी पूर्ण है,हमने यह प्रतीक चुन लिया।ओशो द्वारा बुद्ध के लिये कहे गई इन बातों को ध्यान में लाते हुये ओशो सन्यासियों ने विपसना ध्यान के माध्यम से अपनी ऊर्जा को जाग्रत किया।इस अवसर पर ओशो सन्यासियों ने ओशो के अन्य ध्यान सक्रिय ध्यान, कुण्डलनी, व्हाइट रौब आदि ध्यानों का भी आत्मसात किया।इस तीन दिवसीय ध्यान शिविर का संचालन स्वामी ध्यान आकाश द्वारा किया गया।

सी एम राइज विष्णु दत्त स्कूल में आयोजन

बच्चों को बताया जा रहा समर कैंप का महत्व

सिहोरा, यशभारत। सी एम राइज पंडित विष्णु दत्त शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य अशोक कुमार उपाध्याय के मार्गदर्शन में समर कैंप का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ संचालित किया जा रहा है जिसमें लगभग 100 बच्चे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं पालक भी अपने बच्चों के साथ नियमित रूप से समर कैम्प में उपस्थित हो रहे है।प्राचार्य बच्चों को कैम्प के महत्व को बताकर उन्हें प्रेरित कर रहे हैं। स्पोर्ट्स की गतिविधियां रैली रेस,फुटबॉल, बैडमिंटन,कैरम, खो खो आदि पीटीआई अशोक राय के नेतृत्व में एंव योगा गतिविधियां श्रीमती सुधा उपाध्याय के मार्गदर्शन में तथा आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधियां श्रीमती वर्षा साहू,संगीत की गतिविधियां विवेक नामदेव और श्रीमती उपाध्याय के संयुक्त प्रयास से संचालित की जा रही है। कैंप में सोमवार को कत्थक नृत्य के लिए कुमारी मैत्रि जैन,प्राप्ति तिवारी को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने बच्चों को उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी और उसके स्टेप बताये। कैम्प समापन कार्यक्रम

13 मई को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहोरा और नगरपालिका परिषद सिहोरा की अध्यक्ष के आतिथ्य में आयोजित होगा जिसमें बच्चों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किये जायेंगे।

नगर में मलेरिया दवा का छिड़काव

बरेला, यशभारत। मच्छर पर प्रहार, मलेरिया की हार विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी बरेला के द्वारा नगर के समस्त वार्डों में मलेरिया दवा का छिड़काव करवाया गया।इस अवसर पर स्वच्छता प्रभारी विवेक रैकवार,सहित नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित थे।

19 पाव अंग्रेजी, 51 पाव देशी तथा 26 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त

नरसिंहपुर यशभारत। जिले में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्र में 8 आरोपियों से 19 पाव अंग्रेजी, 51 पाव देशी तथा 26 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त की गई है। थाना ठेमी अंतर्गत आरोपी अखिलेश पिता पूनल नौरिया 25 साल निवासी बेलखेड़ी शेढ़ से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त की गयी, थाना मुंगवानी अंतर्गत आरोपी गुलउ पिता मेलाराम वाडीवा 42 साल निवासी जमुनिया से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त की गयी, थाना कोतवाली अंतर्गत आरोपी संतोष पिता रमेश निवासी बरगी फाटक नरसिंहपुर से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त की गयी थाना गाडरवारा अंतर्गत विनोद पिता भागचंद ठाकुर 24 साल निवासी गाडरवारा एवं सुशीला पति गोपाल कुचबंधिया 58 साल निवासी गाडरवारा से 3-3 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त की गयी, थाना चीचली अंतर्गत गणेश पिता मिट्ठू ठाकुर 35 साल निवासी गांगई से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त की गयी है। इसी प्रकार थाना करेली अंतर्गत कन्हैया पिता शिवपूजा यादव 50 साल निवासी करेली से 19 पाव अंग्रेजी एवं 24 पाव देशी मसाला शराब जप्त की गयीए थाना सांईखेडा अंतर्गत रामसिंह पिता परषोत्तम पटेल 32 साल निवासी खिरैटी से 27 पाव देशी मसाला शराब जप्त की गयी। सभी 8 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है।

पक्षियों को दाना- पानी देने के लिये वृक्षों पर लगाये गये मिट्टी के सकोरे

नरसिंहपुर यभाप्र। मिशन लाइफ के तहत नरसिंहपुर के मुशरान वन में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ- सफाई की गई। यहां पक्षियों को दाना- पानी देने के लिये वृक्षों पर मिट्टी के सकोरे लगाये गये। लोगों को स्वच्छता अभियान और पक्षियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने पर्यावरण प्रकृति में योगदान देने के लिये शपथ दिलाई। पक्षियों के लिये उन्होंने वृक्षों पर सकोरों में पानी रखा। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, डीएफओ पीडी गेब्रियल, उप वन मंडल अधिकारी और वन विभाग के अमले ने इस कार्य में सहभगिता दी। उल्लेखनीय है कि मिशन लाइफपी 3 मॉडल की भावना को बढ़ाता है। इस मिशन का मंत्र है पर्यावरण के लिये जीवन शैली अर्थात् प्लेनेट की जीवन शैली, ग्रह के लिये और ग्रह द्वारा है।

उमरा यात्रियों का स्वागत जुलूस

गाडरवारा (यशभारत) नगर में एकता भाईचारे के संदेश के साथ खुशीनुमा अंदाज में उमरा यात्रियों का स्वागत जुलूस निकाला गया । अल मदीना चल मदीना आज नही तो कल मदीना के नारे लगाते हुए नोजवान काफी उत्साह के जुलूस में शामिल रहे , नगर से मुस्लिम त्योहार कमेटी के अध्यक्ष मुजीब चिश्ती के बड़े भाई एवं भतीजे वीजासेन वार्ड निवासी मतीन खान एवं आरिज चिश्ती शनिवार की रात्रि में गरीब रथ एक्सप्रेस से मुम्बई के लिए रवाना हुए, वहा से मक्का मदीने की यात्रा उमराह करने जायेगे, स्वागत जुलूस के पूर्व जामा मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद उमरा पर जाने वालो के स्वागत मे जुलूस निकाला जो शिवालय चौक, श्याम टॉकीज शक्ति चौक मुन्ना मिस्त्री महावीर भवन, पानी की टंकी होते हुए रेल्वे स्टेशन पहुचा, उमरा यात्रियों का सभी वर्ग के लोगो ने पुष्प मालाओं से दिली इस्तकबाल किया द्य गौरतलब हो इस्लाम धर्म का पवित्र स्थल मक्का मदीना जो मुसलमानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्थान है उमरा यात्री मक्का मदीना पहुंचकर सरकार मोहम्मद मुस्तफा के रोजे की जियारत करेंगे द्य रेलवे स्टेशन पर उमरा यात्रियों को रुखसत करने सैकड़ों की संख्या में सर्वधर्म के लोग पहुंचे और सभी ने आत्मीयता के साथ स्वागत किया । रेलवे स्टेशन पर मोहम्मद मुस्तफा की शान में नातेपाक एवं सलाम पेश कर दुआयें की । उमरा यात्रियों से सभी लोगों ने कहा कि मदीने वाले से मेरा सलाम कहना , ओर सरकार के रोजे के सामने वतन की तरक्की खुशहाली एकता भाईचारे, अमनो अमान के लिए दुआ करना ।

एस पी ने किया अंधी हत्या का खुलासा: आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

गोटेगांव, यशभारत ।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में नरसिंहपुर पुलिस ने किया अंधी हत्या का पर्दाफाश, थाना गोटेगांव अंर्तगत ग्राम बेलखेडी झांसीघाट) में धारदार हथियार से की गयी थी हत्या, पुत्र ही निकला पिता का हत्यारा।

प्रार्थी मिलन पिता गुड्डा उर्फ गणेश वर्मन उम्र 26 वर्ष निवासी बेलखेडी द्वारा थाना गोटेगांव में रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि दिनांक 24-25/03/23 की दरम्यानी रात में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से उसके पिता गुड्डा उर्फ गणेश वर्मन के गले में चोट पहुँचा कर हत्या कर दी है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 239/2023 धारा 302 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। *अज्ञात आरोपी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु गठित की गयी थी विशेष टीम =-* अंधी हत्या के प्रकरण की गंभरता को देखते हुये एफएसएल टीम, डॉग स्कार्ट टीम, फिगर प्रिंट टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किये गये। घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा विशेष टीम का गठन किया जाकर आरोपी की पतसाजी एवं गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।*हत्या के अज्ञात आरोपी की पतासाजी एवं गिफ्तारी हेतु की गयी थी इनाम की उदघोषणा =-* थाना गोटेगांव अंर्तगत ग्राम बेलखेडी (झांसीघाट) में हत्या के गंभीर अपराध में अज्ञात आरोपी की सूचना देने वाले तथा उसकी पतासाजी एवं गिफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा 10,000/- रूपये के नगद पुरूष्कार से पुरूष्कृत करने की घोषणा की गयी थी।

पुत्र ही निकला पिता का हत्यारा : ग्राम बेलखेडी (झांसीघाट) में हत्या की घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपी की पतासाजी हेतु गठित की गयी टीम द्वारा स्थानीय मुखबिरों, स्थानीय निवासी से जानकारियां एकत्रित की गयी साथ ही तकनीकी माध्यमों का भी उपयोग किया जिसके परिणाम स्वरूप संदेही मृतक का बडा लडका ब्रजलाल को अभिरक्षा में लेकर सुक्ष्मता से पूछताछ की गई जिसने अपने पिता गुड्डा वर्मन की हत्या करना स्वीकार किया तथा बताया कि मेरे पिता गुड्डा वर्मन मेरी पत्नी का पक्ष लेता था एवं मुझे शक था कि मेरी पत्नी से मेरे पिता के संबंध है। इसी बात को लेकर हत्या के दो दिन पहले मेरा एवं पत्नि का विवाद हुआ था तो मेरी पत्नी बच्चो को लेकर मायके बगलई चरगवां चली गई थी तथा घर में मेरा छोटा भाई मिलन एवं मां छन्नी बाई भी नही थे। दरम्यानी रात में जब पिता घर की दहलान में पलंग पर सो रहे थे। तब मैं रात्री करीबन 04/00 बजे उठा और पिताजी गुड्डा वर्मन की लोहे की नुकीली छैनी से गले में मारकर हत्या कर दी थी तथा छैनी को छिपा कर रखना बताया जो उक्त छैनी को आरोपी ब्रजलाल द्वारा पेश करने पर जप्त किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका : अंधी हत्या का पर्दाफाश करने में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सुनील कुमार शिवहरे, एसडीओपी गोटेगाँव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हिमलेन्द्र पटैल, उनि विजय धुर्वे, उनि विजय द्विवेदी, उनि दिलीप सिंह, उनि आर. एस. झारिया, उनि अंजली अग्निहोत्री, उनि संजय सुर्यवंशी, सउनि राजेश शर्मा, आरक्षक लक्ष्मी नागपूरे, प्रधान आरक्षक महेन्द्र शुक्ला, प्रधान आरक्षक आरक्षक धनीराम, प्रधान आरक्षक चन्द्रप्रकाश पटले, आरक्षक विपिन, आरक्षक सचिन, तथा सायबर सेल से आरक्षक अभिषेक सूर्यवंशी, आरक्षक धारासिंह की सराहनीय भूमिका रही है ।पुलिस अधीक्षक ने आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम को पुरुष्कृत करने की भी घोषणा की है।

एशियन गेम्स के लिए बैडमिंटन टीम का ऐलान

साइना नेहवाल को जगह नहीं, 20 खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2022 के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम की घोषणा कर दी गई है। एशियन गेम्स 2022 को कोरोना वायरस की वजह से पोस्टपोन कर दिया गया था, जो इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेला जाएगा। इन एशियन गेम्स में कुल 20 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिनमें 10 पुरुष और 10 महिलाएं शामिल हैं। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और दुनिया के 9वें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय भारतीय बैडमिंटन टीम का नेतृत्व करेंगे।

सिंधु और प्रणय को मिली सीधे एंट्री

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, मेंस डब्लस जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के अलावा गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की महिला जोड़ी ने क्ष्ड्ड्स्न रैंकिंग में टॉप- 20 में होने की वजह से पहले ही इसके लिए क्वालीफाई कर लिया था। उन्हें रैंकिंग के आधार पर एशियन गेम्स 2022 में सीधे एंट्री दी गई है। वहीं बाकी खिलाड़ियों को ट्रायल के आधार पर प्रवेश मिला है।

सिंधु का यह सीजन अब तक रहा निराशाजनक

बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में विमेंस सिंगल्स का स्वर्ण पदक जीतने के बाद लंबी चोट के कारण पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने काफी समय तक कोर्ट से दूर रहने के बाद 2023 सीजन में वापसी की। स्विस ओपन में सिंधु ने दूसरे राउंड तक अपनी जगह बनाई थी। हालांकि, इससे पहले उन्हें मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन, ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के पहले राउंड में ही हारकर बाहर होना पड़ा था।

सात्विक-चिराग भी टीम में शामिल

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2023 का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और उनके साथी चिराग शेट्टी भी टीम में शामिल हैं। विमेंस डबल्स इवेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी को अश्विनी पोनप्पा और उनकी साथी तनीषा क्रेस्टो की जोड़ी से मदद मिलेगी। गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी ऑल इंग्लैंड ओपन 2023 के सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

टीम में लक्ष्य सेन का भी नाम

भारतीय टीम के अन्य सिंगल्स खिलाड़ियों में किदांबी श्रीकांत और मौजूदा सीनियर राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय का नाम भी शामिल है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के चैंपियन लक्ष्य सेन ने भी मेंस सिंगल्स इवेंट के लिए टीम में जगह बनाई है।

रोहित एंड कंपनी के लिए खतरे की घंटी, WTC FINAL से पहले फॉर्म में लौटा कंगारू बैटर, कैसे निपटेगी टीम इंडिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमें आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 7 जून से आमने सामने होंगी. लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी इस समय आईपीएल में व्यस्त हैं. दूसरी ओर, स्टीव स्मिथ सहित ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी इस समय काउंटी क्रिकेट में खेलकर भारत के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं. विश्व के नंबर वन टेस्ट बैटर मार्नस लैबुशेन ने रोहित शर्मा एंड कंपनी के लिए खतरे की घंटी बजा दी है. मार्नस लैबुशेन काउंटी क्रिकेट में ग्लेमॉर्गन की ओर से खेल रहे हैं. उन्होंने यॉर्कशॉयर के खिलाफ डिविजन टू के मुकाबले में नाबाद 170 रन की पारी खेली. दाएं हाथ के इस बैटर ने अपनी इस पारी में 24 चौके और एक छक्का लगाया. इससे पहले लैबुशेन ने इसी टूर्नामेंट में 64 और 65 रन बनाए थे. लैबुशन खुद को फॉर्म में आने के संकेत दे दिए हैं. भारत की ओर से चेतेश्वर पुजारा ससेक्स की ओर से खेल रहे हैं जिस टीम में स्टीव स्मिथ हैं।

IPL का गणित, प्लेऑफ से एक जीत दूर गुजरात

4 पोजिशन के लिए 10 टीमों में रेस, KKR-SRH-DC को जीतने होंगे सभी मैच

नई दिल्ली, ईएमएस। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में लीग स्टेज के 52 मैच खत्म होने के बाद भी अब तक कोई टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी है। वहीं 10 में से कोई भी टीम अब तक रेस से बाहर भी नहीं हुई है। लीग की सभी टीमों ने 10 से ज्यादा मैच खेल लिए हैं। लीग स्टेज के 18 मैच बाकी हैं। यही मैच टीम के प्लेऑफ क्वालिफिकेशन को कन्फर्म करेंगे। आगे स्टोरी में हम सभी टीमों के पॉइंट्स टेबल की स्थिति देखेंगे, साथ ही जानेंगे कि उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए कितने मैच जीतने होंगे।

कितने मैच जीतने पर क्वालिफाई होंगी टीमें?

पिछले सीजन से 10 टीमें शामिल की गई हैं, लेकिन एक टीम लीग स्टेज में ज्यादा से ज्यादा 14 मैच ही खेलेगी। 16 से ज्यादा पॉइंट हासिल करने वाली टीम क्वालिफाई कर जाएगी। वहीं 14 से कम पॉइंट रखने वाली टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी।

एक जीत से प्लेऑफ में पहुंचेगी गुजरात

गुजरात टाइटंस ने रविवार के पहले मैच में अपने होम ग्राउंड पर लखनऊ सुपरजायंट्स को 56 रन से हराया। टीम ने 11 मैचों में अपनी 8वीं जीत दर्ज की और इस वक्त 16 पॉइंट्स लेकर टेबल में टॉप पर काबिज है। टीम का प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है, हालांकि अभी यह पक्का नहीं हुआ है। टाइटंस के 3 मैच बाकी हैं, जो मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु के खिलाफ होंगे। टीम इनमें से एक भी मैच जीत गई तो 18 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ में जगह बना लेगी। तीनों मैच हारने की स्थिति में उन्हें बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं सभी मैच जीतने पर टीम पहले नंबर पर रहकर क्वालिफायर-1 में पहुंच सकती है।

LSG को सभी मैच जीतने ही होंगे

गुजरात से 56 रन की हार के बाद लखनऊ सुपरजायंट्स के 11 मैचों में 11 पॉइंट्स हैं। टीम ने 5 मैच जीते, वहीं चेन्नई के खिलाफ एक मुकाबला बेनतीजा रहा। ऐसे में टीम चेन्नई के बाद तीसरे नंबर पर है। लखनऊ के 3 मैच हैदराबाद, मुंबई और कोलकाता के खिलाफ होंगे। तीनों मैच जीतने पर टीम 17 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ में क्वालिफाई कर जाएगी। एक भी मैच हारने पर टीम को बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं 2 या उससे ज्यादा मैच हारने पर टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी।

6 मुकाबलों में 5 हार ने बिगाड़ा राजस्थान का गणित

राजस्थान रविवार को हैदराबाद के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 4 विकेट से हार गई। इस कारण टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। टीम ने शुरुआती 5 में से 4 मुकाबले जीतकर टूर्नामेंट में धमाकेदार आगाज किया था। फिर उन्हें पिछले 6 मुकाबलों में से 5 में हार का सामना करना पड़ गया। रॉयल्स को इनमें एकमात्र जीत भी चेन्नई के खिलाफ मिल सकी। रॉयल्स के 3 मैच कोलकाता, बेंगलुरु और पंजाब के खिलाफ बाकी हैं। तीनों मैच जीतने पर टीम 16 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखेगी, लेकिन इसके लिए उन्हें अपना रन रेट भी बाकी टीमों से बेहतर रखना होगा। एक मुकाबला हारने पर टीम को रन रेट के साथ बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं 2 या उससे ज्यादा मैच हारने पर टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी।

रंग संसार

एक साल बाद काम मिला माधुरी भाभी को

नई दिल्ली,ईएमएस। फिल्मी दुनिया में हर साल, हर महीने तमाम फिल्में बनती और रिलीज होती हैं. बावजूद इसके कई ऐसी टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं जिन्हें बहुत आसानी से काम करने का मौका नहीं मिलता. वेब सीरीज मिर्जापुर में माधुरी यादव के किरदार में नजर आ चुकी एक्ट्रेस ईशा तलवार ने भी काम न मिलने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. एक्ट्रेस ने बताया कि अच्छी फिल्म और वेब सीरीज में करने के बाद भी ये जरूरी नहीं होता कि आपको आगे भी काम मिलेगा.ईशा तलवार जब वेब सीरीज मिर्जापुर में नजर आई तो उन्होंने अपने किरदार से लोगों का खूब दिल जीता. उस सीरीज में इनके माधुरी भाभी के किरदार को लोगों ने काफी नोटिस किया. लेकिन ऐसी चर्चित वेब सीरीज में काम करने के बाद भी ईशा को पूरे एक साल तक अगले ऑफर का इंतजार करना पड़ा. वह इसी इंतजार में पूरा एक साल निकाल चुकीं थी कि कोई अच्छा ऑफर आएगा तो वह उसे एक्सेप्ट करेंगी. इस बीच उन्होंने कहीं कोई ऑडिशन भी नहीं दिया. उनका मानना है कि ऐसी सीरीज में भी मेरा काम देखकर लोग ऑडिशन की मांग करते हैं. अब लंबे इंतजार के बाद एक्ट्रेस सास बहू और फ्लामिंगों का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं.

साल भर घर में खाली बैठी, नहीं मिला काम

ईशा तलवार ने हाल ही में एक न्यूज एजेंसी को दिए अपने इंटरव्यू में बताया कि मिर्जापुर जैसी पॉपुलर वेब सीरीज में भी काम करने के लिए उन्हें दस साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था. इससे पहले भी वह एक्टिंग लाइन से लंबे समय से जुड़ी हैं. उन्हें लगा था कि बेहतरीन वेब सीरीज मिर्जापुर अपना एक्टिंग टैलेंट दिखाने के बाद अब उनका संघर्ष थोड़ा कम होगा और उन्हें काम मिलना शुरू होगा. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. इस चर्चित वेब सीरीज में काम करने के बाद भी वह एक साल से घर में बैठी हैं उन्हें किसी तरह का कोई ऑफर नहीं आया. अब लंबे समय बाद ईशा सास बहू और फ्लामिंगों में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ डिंपल कपाड़िया लीड रोल में हैं.

अब भी काम के लिए देना पड़ रहा ऑडिशन

एक्ट्रेस ने अपने इंटरव्यू में बताया कि वह अब तक कई बड़े और छोटे डायरेक्टर को ऑडिशन दे चुकी हैं. वेब सीरीज सास बहू और फ्लामिंगों के लिए भी उन्होंने ऑडिशन दिया था. सीरीज के डायरेक्टर होमी अदजानिया से एक्ट्रेस ने कहा कि उनके पास 500 से भी ज्यादा ऑडिशन की रिकॉर्डिंग हैं, जो वह काफी टाइम से दे चुकी हैं. ईशा ने डायरेक्टर को कहा कि वह उनके मिर्जापुर के कुछ सीन्स देखकर उन्हें सिलेक्ट करना चाहें तो कर सकते हैं. बावजूद इसके उन्हें इस सीरीज के लिए भी ऑडिशन देना पड़ा. बता दें कि ईशा अपने अगले प्रोजेक्ट सास बहू और फ्लामिंग को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. इस सीरीज में भी वह मिर्जापुर की तरह दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं. सीरीज का ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आया है. वहीं, एक्ट्रेस का रोल सीरीज की लीड किरदार डिंपल पर भारी पड़ता दिख रहा है।

बकेट स्टाइल हैंडबैग लेकर पहुंचीं अनन्या पांडे लोगों ने उड़ाया मजाक, पूछा- ये पर्स है या बाल्टी

मुंबई, ईएमएस। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को हाल ही में मुंबई के एक इवेंट में स्पॉट किया गया, इस दौरान वह अपने बैग को लेकर चर्चा में आ गई। इवेंट से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में अनन्या पिंक कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं। इस लुक को उन्होंने एक बकेट स्टाइल बैग के साथ कम्पलीट किया। जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग उनकी खूब खिंचाई कर रहे हैं। इस वीडियो में अनन्या गोल्डन कलर के बकेट स्टाइल बैग के साथ एंट्री लेती हुई दिखाई दे रही हैं। इस दौरान वहां पर मौजूद पैपराजी ने भी ऐसा पर्स देख एक्ट्रेस से पूछा,ज्मैम पर्स है या बाल्टीज। इतना बोले के बाद सभी हंसने लगते हैं। वहीं अनन्या भी खुद मुस्कुराते हुए निकल जाती हैं।

यूजर्स ने उड़ाया मजाक

सोशल मीडिया पर यूजर्स अनन्या के पर्स को देखकर काफी मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट कर लिखा, च्दाल तड़के की बाल्टी, वापस जाते समय भर के लेके जाना।ज्दूसरे यूजर ने कमेंट कर लिखा, इस पर्स का साइज अनन्या के स्ट्रगल के बराबर है।ज्तो वहीं तीसरे ने लिखा, च्वो सब तो ठीक है, लेकिन उसमें रखा क्या होगा।?

अनन्या पांडे का वर्कफ्रंट

अनन्या के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ 'ड्रीम गर्ल 2' में स्क्रीन शेयर करेंगी। इससे पहले उन्हें विजय देवरकोंडा के साथ लाइगर में देखा गया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी।

थिएटर से निकलते दिखीं कंगना रनोट, मैक्सी ड्रेस में आईं नजर, फैंस बोले- आप जलपरी लग रही हैं

मुंबई, ईएमएस। हाल ही में कंगना रनोट को सिनेमा हॉल से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। वीडियो में कंगना अपने सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ बिल्डिंग से निकलते हुए बातचीत कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंगना हॉल से ऐश्वर्या राय की फिल्म क्क्र-2 देखकर बाहर आ रही थीं। इस दौरान कंगना आरामदायक फ्लो वाली मैक्सी ड्रेस में दिखीं। उन्होंने अपने बाल खुले रखे और नो मेकअप लुक में नजर आईं। कंगना ने अपने आउटफिट को सिर्फ ग्लासेस के साथ एक्सेसराइज किया और हाथ में एक रिंग पहनी। उन्होंने एक हाथ में ब्रेसलेट भी पहने। सोशल मीडिया पर यूजर्स कंगना के इस वीडियो पर लगातार कमेंट कर रहे हैं। कंगना के इस वीडियो पर सोशल मीडिया पर एक फैन ने लिखा- मुझे लगता है कंगना ऐश्वर्या की बहुत बड़ी फैन हैं। वहीं, एक यूजर ने लिखा- कंगना को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे वो कोई जलपरी हों।

करीना से फैंस बोले-आपकी उम्र जरा भी नहीं बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में करीना कपूर को स्पॉट किया गया। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। वीडियो में करीना फोन पर बात करती हुई दिख रही हैं। जैसे ही उनकी नजर पैपराजी की तरफ गई, करीना ने हाथ हिलाकर वेव किया और बहुत प्यारी स्माइल भी दी।

प्रिंटेड बोहो लुक में दिखीं करीना कपूर

इस दौरान करीना आरामदायक और फ्लो वाली प्रिंटेड बोहो कुर्ती और पैंट में दिखाई दीं। उन्होंने अपने बालों को जु? में बांधा और ब्लैक कलर की सैंडल के साथ अपना आउट फिट कंप्लीट किया। एक्सेसरीज के तौर पर करीना ने सनग्लासेस लगाए और हाथ में गोल्डन ब्रेसलेट और कानों में गोल्डन हूप इयररिंग्स भी पहने। इसके अलावा उन्होंने अपने हाथ में ब्लैक कलर का बैग भी लिया हुआ है।

अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' का बवंडर जारी, तीसरे दिन की ओपनिंग डे से डबल कमाई

मुंबई, एजेंसी। द केरल स्टोरी' को ऑडियंस से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है. इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में लगातार उछाल देखा जा रहा है. फिल्म 5 मई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है. फिल्म रिलीज से पहले ही विवादों में घिरी हुई रही है. कई राजनीतिक पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं, तो कुछ इसका सपोर्ट कर रही हैं. विवादों में घिरे रहने की वजह से फिल्मों के बीच एक्साइटमेंट और बढ़ गई है. इसी का नतीजा है कि फिल्म को ऑडियंस से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है और फिल्म एक अच्छे कलेक्शन की तरफ बढ़ रही है.'द केरल स्टोरी' ने तीसरे दिन का कलेक्शन अपने ओपनिंग डे से दोगुना ज्यादा किया है. हालांकि तमिलनाडु और कई अन्य राज्यों में फिल्म की स्क्रीनिंग को कैंसिल कर दिया गया. वहीं, मध्य प्रदेश में फिल्म की टैक्स फ्री स्क्रीनिंग हो रही है. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 8.03 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था. दूसरे दिन 11.22 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ था।

'द केरल स्टोरी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'द केरल स्टोरी' ने तीसरे दिन यानी रविवार को 16 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. फिल्म ने 3 दिन में 35.25 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. फिल्म के लिए पहला वीकेंड सफल माना जा रहा है. आईपीएल 2023 होने और हॉलीवुड फिल्म 'गार्जियन ऑफ गैलेक्सी वॉल्यूम 3' का 'द केरल स्टोरी' पर कोई खास फर्क नहीं दिख रहा है।

'द केरल स्टोरी' का बजट

'द केरल स्टोरी' 40 करोड़ रुपए के बजट में बनी है. फिल्म को सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है और इसमें लीड किरदार अदा शर्मा ने निभाया है. फिल्म में योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इदानी भी मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म एक भोली भाली हिंदू लड़की की कहानी है, जिसे इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर किया जाता है. बाद में उसे आईएसआईएस आतंकवादी संगठन में भेज दिया जाता है।

सूर्यदेव के तेवर उग्र, परवान चढ़ रही गर्मी

जबलपुर, यशभारत। मौसम बदल गया है। मई के महीने में गर्मी ने अब अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। सूर्यदेव के तेवर पहले से ज्यादा उग्र हो गए हैं। प्रचंड गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है। पशु-पक्षी भी तेज गर्मी से व्याकुल होने लगे है। मंगलवार की सुबह से ही सूरज के तीखे तेवर लोगों को हलकान कर रहे है। सुबह साढ़े 8 बजे ही तापमान 28.8 पर जा पहुंचा था और समाचार लिखे जाने तक यह 38 डिग्री सेल्सियस पर था। मौसम विभाग की मानें तो गर्मी अभी और बढ़ेगी।

बहरहाल गर्मी का असर आज भी ज्यादा है। आज अधिकतम पारा 39 डिग्री तक जा सकता है। गर्म हवाओं से बचने के लिए लोग सुरक्षा कवच के रूप में कपड़े, चश्मे, गमछे और टोपी यहां तक की छाते का सहारा लेते दिख रहे हैं। वातावरण में सुबह से गर्माहट का अहसास बना हुआ है। हालांकि हवाओं का रूख उत्तरी होने से रात में लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पर आ सकता है। वहीं मौसम विभाग ने हीट वेव की संभावनाओं के बीच नागरिकों से अपील की है कि सीधे धूप और लू के संपर्क में आने से बचे। सूती नरम कपड़े पहने और बार-बार पानी पीते रहे। बच्चे और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।इधर आने वाले तीन से चार दिनों में तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा और बारिश भी होगी। हवाओं ने अभी भी अपना दक्षिण-पश्चिम रखा है और 5 से 6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं।

पिछले साल के तापमान से दूर

मौसम विज्ञानिकों के मुताबिक पिछले साल ,09 मई को जबलपुर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया था। इस साल मई माह में अभी तक जबलपुर के तापमान ने 40 डिग्री के अंक को नहीं छुआ है। हालांकि सोमवार को यह 37.7 डिग्री सेल्सियस पर जरूर पहुंच गया। वहीं एक से चार मई के बीच खुशनुमा मौसम को देखकर लोगों ने एसी-कुलर से दूरिया बना ली थीं, लेकिनअब बढ़े तापमान से लोग वापस इसके करीब चले गए। दोपहर के वक्त गर्मी ने अपना सितम बरकरार रखा और लोगों के पसीने छुटा दिए। पूर्वी मध्यप्रदेश में हीटवेव चल सकती है। जून में मानसूनी बारिश शुरू हो जाएगी। ऐसे में यह दो दशक की सबसे छोटी गर्मी होने वाली है। एक जून को मानसून केरल में दस्तक देता है और आखिर में पश्चिमी राजस्थान पहुंचकर 8 जुलाई तक समूचे देश में छा जाता है, लेकिन उत्तर भारत में मानसून की दस्तक देने से पहले तक गर्मी जारी रह सकती है। हालांकि, यदि अरब सागर या बंगाल की खाड़ी में कोई तूफान विकसित हुआ तो प्री-मानसूनी बारिश का दौर आ सकता है, उस दौरान गर्मी कम हो सकती है। वह एक जून को दस्तक दे पाएगा या नहीं, इसकी गणना जारी है, 15 मई तक इसका अनुमान सामने आ सकेगा।

सर....सिर्फ आपके कारण ही हम लोग चैन की नींद सो पा रहे हैं..

वृद्ध दंपत्ति ने एसपी के प्रति जताया आभार

जबलपुर,यशभारत। सर... आपके पास की गई शिकायत के बाद से अधारताल पुलिस ने सूदखोरों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही की, जिसके कारण अब हम लोग चैन की नींद सो पा रहे हैं। यह बात न्यू रामनगर अधारताल निवासी बुजुर्ग दंपत्ति रामनाथ ठाकरे व उनकी पत्नि ने एसपी तुषारकांत विद्यार्थी से कही। और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मौका था पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित आस्था अभियान के तहत बुजुर्गों से संवाद और सम्मान कार्यक्रम का। एसपी द्वारा शुरू किए गए आस्था अभियान के तहत शहर के ऐसे सभी बुजुर्गों से संवाद स्थापित किया गया जो अपने घरों में अकेले रहते हैं। इस दौरान पुलिस कंट्रोल रूम में एसपी तुषारकांत विद्यार्थी द्वारा बुजुर्गों का सम्मान किया गया। बुजुर्गों को सुरक्षा का अहसास दिलाने यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

बुजुर्गों को सुरक्षा का अहसास दिलाने स्थापित किया गया संवाद

इनका किया गया सम्मान

व्यक्तिगत परिचय एवं संवाद के बाद एसपी तुषार कांत विद्यार्थी द्वारा 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके इनायक राव निवासी सूपताल, अमलेश भट्टाचार्य निवासी बेलबाग, रामनाथ ठाकरे निवासी न्यू रामनगर अधारताल, अशोक राजपूत निवासी बेलबाग, मोहनचंद्र गुहावत , मोनिका गुहावत निवासी यादव कालोनी, शंकर लाल हजारिया निवासी महाराजपुर अधारताल, मधु संगल निवासी सदर, गिरीश कुमार अवस्थी निवासी चेरीताल, सोहन लाल तिवारी निवासी राईट टाउन, शांति बाई कोल निवासी सोनपुर खमरिया, सकी बाई कोल निवासी सोनपुर खमरिया, सनकू कोल निवासी सोनपुर खमरिया, सुरेश प्रसाद चड़ार अध्यक्ष चड़ार समाज, शिवशंकर गुप्ता कानकुब्ज वैश्य समाज पूर्व अध्यक्ष, शिवशंकर गुप्ता पूर्व अध्यक्ष गुप्ता समाज, राधेश्याम साहू अध्यक्ष साहू समाज, ज्ञानचंद गुप्ता रौनियार वैश्य समाज अध्यक्ष, सुरेश सोनी कछियाना जबलपुर, इंदिरा जायसवाल छोटी लाइन गोरखपुर को माला पहनाकर शॉल श्रीफल देते हुये सम्मानित किया।

सोने जा रहे युवक के सिर में घोंप दी चाकू

पड़ोसी ने किया जानलेवा हमला, जांच जारी

जबलपुर, यशभारत। थाना मझौली अंतर्गत देर रात सोने जा रहे एक युवक से गालीगलौच कर पड़ोसी ने जान से मारने की धमकी देते हुए सिर में चाकू मारकर घायल कर दिया। जिसके बाद उसे आनन फानन में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि प्रकाश चौधरी 30 वर्ष निवासी मझौली ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ कमरे में सोने जा रहा तभी पिता गेंदालाल बिना किसी कारण के उससे गाली गलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो जान से मारने की धमकी देते हुये किसी लोहे के हथियार से हमलाकर सिर लहुलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गया।

प्रेम प्रसंग में युवक ने खाया जहर चलते -चलते थम गई सांस

युवक 3 दिन से था तनाव में, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल

जबलपुर, यशभारत। पनागर थाना अंतर्गत प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक ने जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। जब परिजनों ने युवक के मुंह से झाग निकलते हुए देखी तो आवक रह गए। जिसके बाद तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन इलाज के दौरान ही युवक ने दम तोड़ दिया। तो वहीं थाना केंट अंतर्गत चलते चलते ही एक वृद्ध को सीने में दर्द हुआ और थोड़ी देर बाद ही उसकी रोड पर ही मौत हो गयी। जिसके बाद हड़कंप मच गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है।

पनागर पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पवन ठाकुर 22 सलैया का रहने वाला था। जो पेशे से मजदूरी का काम करता था। जिसने जहर खाकर आत्महत्या कर दी। फिलहाल युवक की मौत के बाद प्रारंभिक जांच में बताया जा रहा है कि युवक का कहीं प्रेम प्रसंग था, जिसके चलते वह करीब तीन दिनों से तनाव में था और यही तनाव मौत का कारण बना। अब पूरी पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हाथ रिक्शा चलाता था वृद्ध

वहीं थाना केण्ट में रोहित कुलपरिया 22 वर्ष निवासी दुर्गा नगर ग्वारीघाट ने सूचना दी कि उसके पिता पारतीवान 60 वर्ष जो हाथ रिक्शा चलाते हैं की पेंटीनाका चौराहा पर अटैक आ जाने से मौत हो गयी है। युवक के अचेत होने पर आसपास राहगीरों की भीड़ लग गयी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर, पीएम हेतु भेजते हुए विवेचना में लिया है।

फरार बदमाशों की गिरफ्तारी पर 5-5 हजार इनाम एसपी ने किया घोषित

जबलपुर, यश भारत । पिछले लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे शातिर बदमाशों की गिरफ्तारी पर एसपी तुषारकांत विद्यार्थी ने 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। दोनों बदमाशों की सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। जानकारी के अनुसार हत्या के प्रयास के अपराध का शातिर बदमाश कृष्णा उर्फ बाबू हासवानी 22 वर्ष निवासी सिंधी गुरूद्वारे के पास घमापुर और गोहलपुर में महिला के जेवरातों से भरा बैद छीनने वाले बाइक सवार अज्ञात बदमाश की गिरफ्तारी पर इनाम घोषित किया गया है।

बेचना है
बरगी और बरगी बांध के बीच में सहजपुरी गांव में मेनरोड से लगी 18000 हजार फुट प्लाट डायवर्सन किया हुआ ढावा, होटल, बियर हाउस, पेंट्रोलपंप के लिए उपयुक्त। सामने आसपास मकान बने हैं। प्लेन जमीन 250 रुपए फुट।
संपर्क : 9399852725

आवश्यकता है
फ्लैक्स डिजाइनर की शीघ्र आवश्यकता है
जिसे कोरल ड्रा का पूर्ण ज्ञान हो। शीघ्र संपर्क करें।
यशभारत फ्लैक्स कार्यालय
शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर
मो. 7804887888, 7974594521

INDIA'S BIGGEST CONSUMER & HANDLOOM EXHIBITION
Gurleen MEGA TRADE FAIR
SOCIAL MEDIA PARTNER HAMARA Jabalpur
1 मई से 7 जून तक
TIMINGS: 4PM - 10PM
For More Info: 92155-56345 81031-02769
पोली पाथर सर्कस ग्राउंड, साउथ वेन्यू मॉल के पास, गोरीघाट रोड जबलपुर (म.प्र.)

द कम्पलीट होम फर्निशिंग स्टोर
संध्या ट्रेडर्स
N.S. TEXTILES
कपूरी विला-बड़ा फुहारा, जबलपुर
Ph. 0761-4072001, Mo 9826503008, 9584513844

त्रिभुवनदास मालपाणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिलौनीगंज, जबलपुर
Nursery to Class XII (English & Hindi Medium)
विद्यालय की विशेषताएं
● छात्र/छात्राओं के अध्ययन के लिए प्रोजेक्टर प्रत्येक कक्षा में, अनुभवी शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य।
● छात्र/छात्राओं के लिये भौतिक/रसायन/जीव विज्ञान/आईपी कम्प्यूटर प्रयोग शाला, अटल टिंकरिंग लैब।
● छात्र/छात्राओं के लिये कक्षाओं की सुविधा
● विद्यालय द्वारा नेशनल स्तर तक जूडो के खिलाड़ी ने स्वर्ण प्राप्त किये।
● बोर्ड कक्षाओं का शत- प्रतिशत परीक्षाफल।
● खेलकूद में छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति सुविधा 10000/-, 8000/-6000/- प्रतिवर्ष
● अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों हेतु शासन द्वारा छात्रवृत्ति सुविधा।
प्रवेश प्रारंभ 2023-24
प्रातःपाली 7.30 से 12.00 पहली से 12वीं अंग्रेजी माध्यम
दोपहर पाली 12.20 से 5.10 6वीं से 12वीं हिन्दी माध्यम
संपर्क 9009505955,0761-4016415

अमर शहीद स्मृति मेला
• आधुनिक झूले
• खान-पान चौपाटी
• आर्ट और क्राफ्ट स्टॉल
प्रवेश द्वार-रानीताल चौक के सामने वाले गेट से
गोलबाजार मैदान, जबलपुर
प्रतिदिन सायं 5.30 से रात्रि 10.30 तक
आयोजक - महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, माँसपेशियों में खिंचाव-लचकना, पिंडलियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन्न, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक...
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत लाभदायक
मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
9826035091

गनेश केटरर्स एण्ड कॉन्ट्रेक्टर
श्री गनेश मंडपम् कछपुरा माल गोदाम, गढ़ा
ए.सी. रूम, ए.सी. हॉल, मैदान, पार्किंग
सर्वसुविधायुक्त
कैटरिंग सुविधा आपके अपने बजट के अनुरूप
श्री कच्छ पाटीदार भवन महानद्दा, मदन महल
शादी-पार्टी एवं मांगलिक कार्यों हेतु
मो. 9827202090, 7000244328

Trusted हर रेंज में कूलर ही कूलर
G.S.ELECTRONIC
गढ़ा क्षेत्र का विश्वसनीय इलेक्ट्रॉनिक शोरूम
0% ब्याज पर फायनेंस उपलब्ध हैं।
पता- संजीवनी नगर मोड़, कछपुरा ब्रिज, गढ़ा जबलपुर
9098983263, 9301372157

स्मिता गृह उद्योग
आप हमारे नये परिसर से सालभर रखने योग्य सभी प्रकार के मसाले (हल्दी, मिर्च, धनिया) आदि नये पार्सल में पांच नये मसाले, अचार मसाला
पता: विजय नगर अहिंसा चौक, चौपाटी के सामने जबलपुर
(मो) 9425323934, 0761-2643638
रानीताल गढ़ाफाटक रोड शिवानी कॉम्पलेक्स जबलपुर (मो) 9425153638, 0761-2312695

केला चिप्स
AK's
चना जोर गरम
रोस्टेड फूड जंक्शन ड्राई फूड
रोस्टेड चना, रोस्टेड पी नट, नमकीन, चिक्की, ड्राई फ्रूट
जनता साईकिल के बाजू में, बड़ी आमती चौक, जबलपुर
मोबा. 7987145201, 9993418910

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

AMOI THAI SPA
(ALL TYPES OF BODY MASSAGES)
CONTACT- 0761-4106211(M.) 9893051927
ADD- 2ND FLOOR, OPSSITE SAMDARIYA INN HOTAL, JAIN TOWER RASSEL CHOWK, NAPIER TOWN JBP (MP)

SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITALS
मेडिकल इमरजेंसी में आपके साथ !!
95758 01020
शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर, अहिंसा चौक, विजयनगर, जबलपुर

तांडव
दर्द का जानी दुश्मन
गठियावात, कमर दर्द, जोड़ो का दर्द, सूजन, मासपेशीयों का दर्द
तांडव तेल
सभी प्रकार के वात रोगों में उपयोगी
TANDAV HERBAL PHARMACY Customer Care : +91 7974979179

हमारे प्रेरणास्त्रोत पत्रकार अरूण शुक्ला
आशीष कंसल्टेंसी
Email-ajayshukla2680@gmail.com
मो. 9425154156, 9826176903
नामांतरण, डायवर्सन, सीमांकन, बटवारा, वसीयतनामा इत्यादि
पता - आशीष ट्रांसपोर्ट बलदेव बाग जबलपुर

क्या आप घुटने का दर्द, जोड़ों के दर्द से परेशान है?? क्या आपको जोड़ प्रत्यारोपण की सलाह दी गई है?
मिलिए जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. विकास सावला से
शैल्बी हॉस्पिटल, अहमदाबाद के पूर्व विशेषज्ञ
हड्डी रोग एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट एक्सपर्ट
डॉ. विकास सावला
MS ORTHO AHMEDABAD FIJR
+91-9106804465
बेस्ट टेक्निक, सफल रिजल्ट्स कुल्हा एवं घुटना रिप्लेसमेंट सर्जन
जबलपुर में मिलने का पता
संजीवनी सुपर स्पेशलिटी क्लिनिक, गौमाता चौक, राइट टाउन, जबलपुर, +91-9301970385, 8225988303
शैल्बी हॉस्पिटल, विजय नगर, जबलपुर, 93019 70385
न्यूनतम चीरा | फास्ट रिकवरी
उपचार चुने, डर नहीं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*।
फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)